छ.ग. राज्य विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

मई-जून 2015 ■ वर्ष-11

योगम् शरणम् गच्छामि...

सिर्फ चंद मिनट योगा बड़ा फायदा होगा...

योग के फायदे :

- संपूर्ण तंदुरुस्ती
- बेहतर एकाग्रता
- तनाव मुक्ति
- मानसिक शांति
- बेहतर प्रतिरोधी क्षमता
- सक्रिय एवं जागरुकता पूर्ण जीवन
- ऊर्जावान शरीर

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

EYE ON DEVELOPMENT OF CHHATTISGARH

छ.ग. विद्युत कं. मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

मई-जून 2015 ▪ वर्ष-11

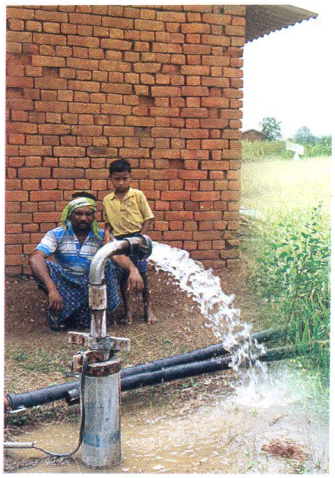

संरक्षक

- **श्री शिवराज सिंह**
  अध्यक्ष
- **श्री सुबोध सिंह**
  प्रबंध निदेशक (ट्रेडिंग कं. मर्या.)
- **श्री विजय सिंह**
  प्रबंध निदेशक (पारेषण कं. मर्या.)
- **श्री शशिभूषण अग्रवाल**
  प्रबंध निदेशक (उत्पा. कं. मर्या.)
- **श्री अनूप कुमार गर्ग**
  प्रबंध निदेशक (होल्डिंग कं. मर्या.)
- **श्री अंकित आनंद**
  प्रबंध निदेशक (वित. कं. मर्या.)
- **श्री शारदा सिंह**
  कार्यपालक निदेशक (मा.सं.)
- **श्री अजय श्रीवास्तव**
  अति. महाप्रबंधक (मा.सं.)

संपादक

- **श्री विजय कुमार मिश्रा**
  उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क)

सहयोग

- **श्री जाबिर मोहम्मद कुरैशी**

छायाकार

- **श्री संजय टेम्बे**

पता :

संपादक : संकल्प
उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क)
छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कं. मर्या.
डंगनिया रायपुर, छत्तीसगढ़
e-mail : vijay.mishra361@gmail.com

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कम्पनी मर्यादित

प्रदेश में विद्युत प्रगति का पटल

	नवंबर 2000	जून 2015
ताप विद्युत क्षमता	1240 मेगावॉट	2286 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1360 मेगावॉट	2424.70 मेगावॉट
क्षमता वृद्धि	---	1064.70 मेगावॉट
अति उच्चदाब उपकेंद्रों की संख्या	27 नग	90 नग
अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई	5205 सर्किट कि.मी.	18065 सर्किट कि.मी.
केपेसिटर स्थापित क्षमता	94 एमव्हीएआर	1045 एमव्हीएआर
33/11 के.व्ही. उपकेंद्रों की संख्या	248 नग	945 नग
33 के.व्ही. लाइनों की लंबाई	6988 सर्किट कि.मी.	18065 सर्किट कि.मी.
11/04 के.व्ही. उपकेंद्रों की संख्या	29692 नग	114979 नग
11 के.व्ही. लाइनों की लंबाई	40556 कि.मी.	87859 कि.मी.
निम्नदाब लाइनों की लंबाई	51314 कि.मी.	155760 कि.मी.
कुल आबाद ग्रामों की संख्या (जनगणना 2011 के अनुसार)	---	19567
विद्युतीकृत ग्रामों की संख्या	17087	18486
विद्युतीकरण का प्रतिशत	---	94.47
विद्युतीकृत मजरा टोलो की संख्या	10375	25458
विद्युतीकृत पंपों की संख्या	72400	368504
एकलबत्ती कनेक्शन की संख्या	630389	1588173

संपादकीय

योगम् शरणम् गच्छामि...

आज के भौतिकवादी युग और भागमभाग जिंदगी में योग का महत्व और भी ज्यादा बढ़ गया है। योग का शाब्दिक अर्थ जोड़ना है। जोड़ने की भावना सदैव वसुधैब कुटुम्बकम् की अवधारणा को बलवती बनाती है। योग से जुड़ना ''सर्वे भवंतु सुखिनः, सर्वे संतु निरामया'' को चरितार्थ करना है।

21 जून 2015 की सुबह देशवासियों के भीतर ठीक उसी तरह ऊर्जा का संचार कर रही थी, जिस तरह स्वतंत्रता दिवस और स्वाधीनता दिवस के दिन करती है। इस दिवस पर पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की अभिव्यक्ति एकाएक नहीं हुई है। इसके लिए विश्व बिरादरी के समक्ष पुरजोर पहल मान. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने बीते वर्ष 27 सितम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में की थी।

इस प्रस्ताव को मात्र 90 दिनों में पूर्ण बहुमत से पारित किया गया। इससे पहले इतने कम समय में किसी भी दिवस विशेष के प्रस्ताव को पारित नहीं किया गया। यह एक मिसाल है। अब प्रतिवर्ष इस ऐतिहासिक तिथि में विश्वस्तर पर योग दिवस मनाया जायेगा। इस तरह योग से विश्व गुरू बनकर भारत एकबार फिर विश्व के मानचित्र पर महान देश के रूप में अंकित हो गया। यह कोई छोटी मोटी बात नहीं, एक असाधारण उपलब्धि है। कहा जाता है कि महर्षि पतंजलि ने योग विधा को सुव्यवस्थित स्वरूप प्रदान किया है। 5 हजार वर्ष पुराना योगशास्त्र आज 21वीं सदी में विश्वभर में लोकप्रियता के नये आयाम छू रहा है।

गर्व का विषय है कि दुनिया में पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के साक्षी भारतवासियों के साथ-साथ करीब 192 देशों के लोग भी बने। योग की विजय गाथा ने इस बात को सिद्ध कर दिया है कि ज्यादातर साधु संतो द्वारा वनाश्रमों में की जाने वाली विधा ने अब आमजनों सहित कार्पोरेट जगत में भी तगड़ी पैठ बना ली है। समूची दुनिया के लोगों को स्वस्थ बनाने की दिशा में भारत देश का यह अभूतपूर्व अद्भुत सफल प्रयास है।

दरअसल विभिन्न वैज्ञानिक तथ्यों के मुताबिक योग विधा विज्ञानों का विज्ञान है। इसमें मनोविज्ञान, शरीर विज्ञान, समाज विज्ञान, मानव विज्ञान, प्राणी विज्ञान का समावेश है। यह किसी भी एक धर्म-सम्प्रदाय की विधा नहीं है। तन-मन के विकारों को दूर करने की रीति नीति का ज्ञान कराने वाला शास्त्र है। यह ऐसी क्रिया है जो बाह्य जगत से परे जनमन को आंतरिक सुख की अनुभूति कराती है। व्यक्ति में निहित शक्ति का विस्तार कर संतुलित तरीके से उसका विकास करती है। यही वजह है कि आज इस विधा का डंका दुनियाभर में बज रहा है।

आज के भौतिकवादी युग और भागमभाग जिंदगी में योग का महत्व और भी ज्यादा बढ़ गया है। योग का शाब्दिक अर्थ जोड़ना है। जोड़ने की भावना सदैव वसुधैव कुटुम्बकम् की अवधारणा को बलवती बनाती है। योग से जुड़ना ''सर्वे भवंतु सुखिनः, सर्वे संतु निरामया'' को चरितार्थ करना है।

योग क्रिया के विभिन्न योगासन, सूर्यनमस्कार, जनसमुदाय को नियम और नैतिक चरित्र को बनाये रखने के साथ ही ऊंचा उठाने के लिये भी प्रेरित करते है। कहना न होगा कि समाज एवं देश में अमरबेल की तरह फैलती बढ़ती सामाजिक-धार्मिक, आर्थिक-अध्यात्मिक समस्याओं को सुलझाने में योग क्रियाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। संस्कृति-प्रकृति से जन-जन को जोड़ता हुआ योगदर्शन सचेत करता है कि शुद्ध शहद की प्राप्ति ताजे विकसित पुष्पों में निहित मकरंद से ही हो सकती है, कोई मधुमक्खी लाख जतन करे जलेबियों को चूसकर वह शुद्ध शहद निर्मित नहीं कर सकती।

तात्पर्य यही है कि शुद्ध शहद अर्थात सुखमय जीवन प्राप्त करना है तो वर्ष में केवल योग दिवस पर ही योग का अतिरेक प्रदर्शन के बजाय प्रतिदिन योग को आचरण में शामिल करें। यह चित एवं मन की गति मति को शांत बनाये हुये सद्भाव और समानता का संदेश देते कहता है- तेवर और जेवर संभाल कर रखने की चीज है, ये बात बात में हर किसी को दिखाये नहीं जाते.

तेवर और जेवर को भूलाकर ईर्ष्या, क्रोध, क्लेश जैसे विकारों से मनुष्य को योग दूर रखता है, फलस्वरूप अवसाद, निराशा, चिंता रक्तचाप, मधुमेह जैसी व्याधियों से घिरने से व्यक्ति स्वमेव बच जाता है। सार में कहा जा सकता है कि जीवन को जी भर जी लेने की जड़ी बूटी है योग विधा।

अतः भारत गौरव के इस महान अंतर्राष्ट्रीय महाअभियान में जुड़ने के मौके से जो लोग चूक गये हैं उन्हें निराश होने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि हर सुनहरी सुबह बांह फैलाये योग करने के लिये सुरम्य वातावरण निर्मित करती है। तो चलों चले योग की गोद में।

विजय मिश्रा

विद्युत विहीन ग्रामों-मजरा-टोलों के विद्युतीकरण हेतु 1500 करोड़ रूपये के प्रस्ताव पर सहमति

■ बिजली खपत कम करने एलईडी बल्ब के उपयोग को प्रोत्साहन- श्री गोयल

पूरे देश में बिजली की समस्या को हल करने में छत्तीसगढ़ राज्य का महत्वपूर्ण योगदान होगा। छत्तीसगढ़ में उत्पादित बिजली देशभर में आसानी से पहुंच सके इसके लिये विद्युत ग्रिड को और सुदृढ़ बनाया जायेगा। छत्तीसगढ़ के विद्युत विहीन ग्रामों और मजरा-टोलों में विद्युतीकरण के लिये राज्य सरकार को 1500 करोड़ रूपये उपलब्ध कराये जायेंगे इसमें से 1000 करोड़ ग्रामीण विद्युतीकरण निगम से रियायती ब्याज दर पर ऋण के रूप में उपलब्ध होंगे। उक्त बातें केन्द्रीय ऊर्जा एवं कोयला राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री पीयूष गोयल ने 22 जून 2015 को मंत्रालय में आयोजित ऊर्जा और खनिज विभाग की बैठक में कही। उन्होंने इस बात के लिये भी सहमति दी कि दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण विद्युतीकरण योजना सहित छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा दिये गये प्रस्तावों को शीघ्र मंजूरी दी जायेगी। बिजली की खपत कम करने के लिये राज्य में ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों के द्वारा एलईडी बल्ब के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिये उन्होंने जोर दिया।

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा कि देश के अन्य राज्यों की तुलना में छत्तीसगढ़ में सबसे सस्ती दर पर बिजली की आपूर्ति की जा रही है। हम न केवल सस्ती दर पर बल्कि बिना किसी कटौती के चौबीस घंटे बिजली उपलब्ध करा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में उपलब्ध बिजली का भरपूर लाभ हर गॉव को मिल सके इस हेतु विद्युत विहीन ग्रामों में विद्युतीकरण के लिये राज्य सरकार द्वारा प्रेषित प्रस्ताव को स्वीकृत करने का आग्रह उन्होंने केन्द्रीय मंत्री से किया।

बैठक में ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव श्री अमन कुमार सिंह ने बताया कि छत्तीसगढ़ मे विद्युत की कुल स्थापित क्षमता 19827 मेगावॉट है। बारहवीं योजना की समाप्ति पर यह बढ़कर 34647 मेगावॉट हो जायेगी। उन्होंने ऊर्जा विभाग की योजनाओं और उपलब्धियों का भी प्रस्तुतीकरण दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार एवं छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कम्पनीज के अध्यक्ष श्री शिवराज सिंह, छ.ग.शासन के मुख्य सचिव श्री विवेक ढांड, खनिज विभाग के सचिव श्री सुबोध कुमार सिह, ऊर्जा विभाग के सचिव श्री आनंद बाबू, पॉवर कम्पनीज के प्रबंध निदेशक (उत्पादन कं.) श्री एस.बी.अग्रवाल, प्रबंध निदेशक(पारेषण कं.) श्री विजय सिंह, प्रबंध निदेशक(वितरण कं.) श्री अंकित आनंद, प्रबंध निदेशक(होल्डिंग कं.) श्री अनूप गर्ग सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

मड़वा-तेंदूभाठा परियोजना में कोयले की आपूर्ति हेतु रेल परिचालन का सफल परीक्षण

मड़वा-तेंदूभाठा ताप विद्युत परियोजना, जांजगीर में कोयला आपूर्ति करने हेतु रेल परिचालन का सफलतापूर्वक परीक्षण 15 मई 2015 को किया गया। इस परीक्षण के उपरांत अब परियोजना से विद्युत का व्यावसायिक उत्पादन जल्द शुरू हो सकेगा। व्यावसायिक उत्पादन के लिए कोयले की निर्बाध आपूर्ति के रास्ते में अब कोई बाधा नहीं है। परियोजना के लिए बनी रेल लाइन पर डीजल लोकोमोटिव ऐरावत डब्लूडीजी 12957 ने नैला रेलवे स्टेशन से चलकर प्लांट परिसर में प्रवेश किया। इस दौरान प्रबंध निदेशक (उत्पादन) श्री एस.बी. अग्रवाल और कार्यपालक निदेशक श्री ए.के. सिंह उपस्थित थे।

सफल परीक्षण पर प्रबंध निदेशक श्री अग्रवाल ने अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई दी। 16 किमी. लंबी रेल लाइन पर ट्रेन का परिचालन परीक्षण शाम 5.15 बजे हुआ। कोयले की अनलोडिंग के लिए बने ट्रैक हापर का भी परीक्षण किया गया। मड़वा-तेंदूभाठा ताप विद्युत परियोजना के लिए एसईसीएल की खदानों से कोयला लिया जाएगा। अभी प्रतिदिन 20 हजार टन कोयला खपत होने की संभावना है। 2×500 मड़वा-तेंदूभाठा ताप विद्युत परियोजना जांजगीर में उत्पादन शुरू होते ही कंपनी की ताप विद्युत उत्पादन क्षमता 3280 मेगावॉट हो जाएगी।

पॉवर कंपनी मुख्यालय में आंतरिक सतर्कता-जागरुकता संबंधी कार्यशाला संपन्न

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी मुख्यालय में सतर्कता-जागरुकता विषय पर कार्यशाला का आयोजन 29 मई 15 को किया गया। कार्यशाला में ''स्व-नेतृत्व के माध्यम से आन्तरिक सतर्कता का विकास'' (डेव्हिलपिंग इन्टरनल विजिलेंस थ्रू सेल्फ लीडरशिप) विषय पर अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रशिक्षक डॉ. विक्रान्त सिंह तोमर ने व्याख्यान दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को आंतरिक सतर्कता के संबंध में भारतीय वैदिक ग्रन्थों, सभ्यता एवं संस्कृति के रोचक तथ्यों का समावेश करते हुये प्रभावी जानकारी दी। डॉ. तोमर ने कहा कि आंतरिक सतर्कता ही वह गुण है जिसके माध्यम से शासकीय कर्मी एवं आमजन कायदा-कानून के दायरे में रहते हुये कार्यों को निर्विवाद अंजाम दे सकते हैं।

कार्यशाला में कंपनी अध्यक्ष श्री शिवराज सिंह ने कहा कि पॉवर कंपनी एक सेवाभावी संस्थान है, अतः यहां पारदर्शिता से कार्य करने की नितांत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आंतरिक सतर्कता वह गुण है जो व्यक्ति को कदाचरण से दूर रहते हुये सदाचरण के लिए प्रेरित करती है। प्रबंध निदेशक श्री अंकित आनंद ने कहा कि जन-जन से जुड़े संस्थान होने के नाते पॉवर कंपनी के कर्मी आमजन की अपेक्षाओं को हर हाल में पूर्ण करने जुटे रहते हैं। ऐसी परिस्थितियों में आंतरिक सतर्कता को बनाये हुये उत्कृष्ट कार्य क्षमता को प्रदर्शित करना कंपनी सहित कर्मियों के लिए हितकारी है। इसी क्रम में कार्यक्रम के संयोजक मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री राजेश व्यास ने बताया कि कदाचरण एवं स्वलाभ से दूर रहते हुए संस्था सहित आमजन के हित में कार्य करने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

कार्यशाला में प्रबंध निदेशक श्री अनूप गर्ग, कार्यपालक निदेशक (मानव रांसाधन) श्री शारदा सिंह सहित पारेषण, उत्पादन एवं वितरण कंपनी के कार्यपालक निदेशक से लेकर अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ. तोमर को कंपनी अध्यक्ष श्री सिंह ने प्रतीकात्मक भेंट प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में एमडी श्री गर्ग ने आभार व्यक्त करते हुये कार्यशाला को बहुपयोगी बताया। उन्होंने प्रतिभागियों से कार्यशाला से मिले प्रशिक्षण का अधिकाधिक क्रियान्वयन अपने-अपने कार्यक्षेत्र में करने का आव्हान किया। कार्यक्रम का संचालन उपमहाप्रबंधक (जनसम्पर्क) श्री विजय मिश्रा ने किया।

राज्य ग्रिड समन्वय समिति की बैठक संपन्न

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक के ग्रिड कोड के अनुपालन में राज्य ग्रिड समन्वय समिति की चौथी बैठक दिनांक 17 जून 2015 को राज्य भार प्रेषण केन्द्र, रायपुर में हुई। इस समिति की बैठक छह माह के अंतराल पर आहुत की जाती है, जिसमें ग्रिड समन्वय में आने वाले विषयों को समिति के मानद सदस्यों के सम्मुख विचार हेतु रखा जाता है। इस समिति में पूर्ण राज्य स्तर की सहभागिता होती है। राज्य ग्रिड समन्वय समिति के अध्यक्ष एवं पारेषण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री विजय सिंह ने बैठक की अध्यक्षता की।

समन्वय समिति में राज्य के छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन, वितरण, पारेषण कंपनी, मेसर्स भारतीय इस्पात प्राधिकरण भिलाई स्टील प्लांट, मेसर्स जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड रायगढ़, मेसर्स छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादक संघ एवं राज्य भार प्रेषण केन्द्र विद्युत अनुज्ञप्तिधारी एवं संस्थाएं मानद सदस्य हैं। बैठक में 22 प्रतिनिधियों की सहभागिता रही। राज्य भार प्रेषण केन्द्र की अभियंता सुश्री सुदेशना पाल एवं सुश्री नमिता लाकरा ने समिति के सम्मुख गत 6 माह के प्रणाली संचालन संबंधित आंकड़े प्रस्तुत किये।

समिति ने बैठक की कार्यसूची के विषयों पर चर्चा की एवं निष्कर्षों पर समय में क्रियान्यवन करने पर सहमति दी। समिति के सदस्य सचिव एवं मुख्य अभियंता राज्य भार प्रेषण केन्द्र श्री वामन राव वानखेड़े ने बैठक में आये सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिला विद्युत समिति राजनांदगांव की बैठक संपन्न

जिला विद्युत समिति राजनांदगांव की पहली बैठक 31 मई 2015 को मान. सांसद एवं जिला विद्युत समिति के अध्यक्ष श्री अभिषेक सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में जिला विद्युत समिति के सदस्य एवं विधायक डोंगरगढ़ श्रीमती सरोजनी बंजारे, विधायक मोहला-मानपुर श्रीमती तेजकुंवर नेताम, विधायक डोंगरगांव श्री दलेश्वर साहू, विधायक खुज्जी श्री भोलाराम साहू एवं विधायक खैरागढ़ श्री गिरवर जंघेल तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चित्रलेखा वर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे। बैठक में सांसद श्री अभिषेक सिंह ने किसानों से प्राप्त आवेदनों पर कार्रवाई करने के निर्देश विद्युत विभाग के अधिकारियों को दिए।

बैठक में सांसद श्री अभिषेक सिंह ने जिले के नवनिर्मित एनीकटों से पानी की सप्लाई हेतु समुचित विद्युत व्यवस्था, जिले के सभी स्कूलों का विद्युतीकरण, ग्रामीण क्षेत्रों के लिए दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना एवं शहरी क्षेत्रों के लिए एकीकृत ऊर्जा विकास योजना की दिशा में राजनांदगांव जिला में तेजी के साथ कार्य करने पर जोर दिया। बैठक में जिला विद्युत समिति के गठन के उद्देश्यों पर अधीक्षण अभियंता श्री आर.एन. याहके ने प्रकाश डाला। इसी क्रम में उन्होंने बताया कि दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना के तहत विधानसभावार प्रस्तावित विद्युतीकरण के कार्यों के लिए कुल 64.96 करोड़ रुपए की राशि आबंटित की गई है। इसके अंतर्गत 10 हाऊस होल्ड तक के जिले के नई बसाहट वाले ग्रामों को शामिल किया गया है। इस योजना से लगभग 8875 ग्रामीण हाऊस होल्ड लाभान्वित होंगे। इसके अलावा 532 ग्रामों का सघन विद्युतीकरण एवं 162 विद्युतीकृत ग्रामों की अविद्युतीकृत बसाहटों को शामिल किया जाएगा। साथ ही इन ग्रामों के 5457 बीपीएल परिवारों को निःशुल्क बिजली आपूर्ति की जायेगी। इस योजना के अंतर्गत जिले में 33/11 केव्ही के 4 नये विद्युत सब स्टेशन बनाया जाना प्रस्तावित है। इसके अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र डोंगरगांव में कोमरी एवं टप्पा, डोंगरगढ़ में भैयाटोला, खैरागढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पैलीमेटा में विद्युत सबस्टेशन बनाया जाना प्रस्तावित है। बैठक में एकीकृत ऊर्जा विकास शहरी क्षेत्रों के लिए लागू होने की जानकारी देते हुए बताया गया कि जिले को 1348 करोड़ रुपए की राशि आबंटित की गई है। बैठक में माननीय विधायकों के अलावा जिला पंचायत अध्यक्ष महोदय ने भी महत्वपूर्ण सुझाव दिये। बैठक में प्रभारी कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला, एडीएम श्री संजय अग्रवाल, मुख्य अभियंता श्री प्रहलाद सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्री एमडी तिगाला सहित कार्यपालन अभियंता एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

दो पारेषण लाइनों से जुड़ी मड़वा विद्युत परियोजना

मड़वा-तेंदूभाठा ताप विद्युत परियोजना के पटल पर एक और बड़ी उपलब्धि 28 मई 2015 को दर्ज हुई। इस तिथि पर यह परियोजना 400 किलोवॉट की दो विद्युत पारेषण लाइनों से संबद्ध हुई। इससे मड़वा परियोजना के संयंत्रों में उत्पादित बिजली को सुगमतापूर्वक पारेषित करने के साथ ही आपात स्थिति में दूसरे राज्यों से बिजली ली जा सकेगी। पारेषण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री विजय सिंह एवं मड़वा परियोजना के कार्यपालक निदेशक श्री ए.के. सिंह ने कंप्यूटर के जरिए स्वीचऑन कर ट्रांसमीशन लाइन की शुरुआत की। 58 किमी. लंबी 400 के.व्ही. क्षमता की डबल सर्किट पारेषण लाईन का निर्माण कर मड़वा सयंत्र को खेदामारा-कोरबा लाईन से कनेक्ट कर दिया गया है। इस लाईन के निर्माण में लगभग 93 करोड़ रुपए की लागत आई है। कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री विजय सिंह एवं उच्चाधिकारियों की उपस्थिति में इस नवनिर्मित लाईन को सफलतापूर्वक ऊर्जाकृत किया गया। नई लाईन के ऊर्जाकृत हो जाने से अब मड़वा सयंत्र रायता (रायपुर) के अतिरिक्त कोरबा एवं खेदामारा (भिलाई) से भी 400 के.व्ही. क्षमता की लाईन से कनेक्ट हो गया है। अब मड़वा ताप विद्युत गृह से उत्पादित बिजली की निकासी रायता की 02 लाईनों के साथ-साथ 02 अतिरिक्त लाईनों के माध्यम से हो सकेगी। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता (टी.एंड.सी) बिलासपुर श्री शरद श्रीवास्तव, अधीक्षण अभियंता श्री ए.पी. सिंह और बड़ी संख्या में अधिकारियों व कर्मचारियों की टीम उपस्थित थी।

विद्युत विकास संबंधी राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक

सस्ती बिजली-उन्नत टेक्नोलॉजी से संवरता छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी, के अधीन संचालित क्षेत्रीय मुख्यालयों में पदस्थ कार्यपालक निदेशक से लेकर अधीक्षण अभियंता स्तर के अधिकारियों की बैठक 26 मई 15 को हुई। विद्युत सेवाभवन मुख्यालय के सभाकक्ष में संपन्न बैठक में कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अंकित आनंद ने मैदानी अधिकारियों से सिलसिलेवार विद्युत विकास की प्रगति तथा कठिनाईयों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने लाईन लॉस तथा विद्युत चोरी को नियंत्रित करने, राजस्व बकाया वसूली पर कड़ाई बरतने की हिदायत दी। साथ ही कहा कि छत्तीसगढ़ में घरेलू विद्युत की दरें अन्य राज्यों की तुलना में कम है। सस्ती बिजली से छत्तीसगढ़ का हर क्षेत्र संवर रहा है। ऐसे दौर में उन्नत टेक्नॉलाजी का इस्तेमाल और अधिकारियों से कर्मचारियों तक की पारंगता कंपनी की प्राथमिकताओं में शामिल है।

प्रदेश के इतिहास में पहली बार लेटेस्ट टेक्नालाजी का उपयोग करते हुये ऑनलाईन नये विद्युत कनेक्शन देने की शुरुआत की जा रही है इस पर चर्चा करते हुये श्री आनंद ने कहा कि यह उपभोक्ता सहित कंपनी हित में अत्यंत लाभदायी है। 01 जून 2015 से प्रभावशील कंपनी के इस निर्णय को समूचे प्रदेश में क्रियान्वित करने फील्ड आफिसर विशेष अभिरूचि लें। ऐसे ग्रामीण अंचल जहां कि ऑनलाईन कनेक्टिविटी उपलब्ध नहीं है उन्हें छोड़कर सभी कार्यालयों में मेन्युअल के बजाय ऑनलाईन विद्युत कनेक्शन देना सुनिश्चित करें। आगे उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की छवि राष्ट्रीय स्तर पर बिजली के मामले में उत्कृष्ट है। चुनौतिपूर्ण परिस्थितियों को पार करते हुये विद्युतकर्मियों के प्रयास से ही यह संभव हुआ है। वितरण हानि, बिजली की चोरी, राजस्व बकाया में वृद्धि को नियंत्रित करके छत्तीसगढ़ के विद्युत परिदृष्य को और बेहतर बनाने की जवाबदारी विशेषकर मैदानी अधिकारियों के कंधे पर ही है।

वितरण कंपनी द्वारा आर.ए.पी.डी.आर.पी. योजना का क्रियान्वयन युद्धस्तर पर किया जा रहा है। जिससे गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सहित उपभोक्ता संतोष में वृद्धि और कंपनी के एटीएण्डसी लॉस को कम करने की बड़ी सफलता वर्ष 2014-15 में मिली। वितरण कंपनी की एटीएण्डसी लॉस जो वर्ष 2013-14 में 24.36 प्रतिशत थी वह कम होकर वर्ष 2014-15 में 22.15 प्रतिशत हो गई। ऐसी ही कार्यशैली को बनाये रखने पर बल देते हुये श्री आनंद ने अधिक लाईन लॉस वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर पूरे क्षेत्रों में विशेष कार्य योजना-लक्ष्य के साथ कार्य करने उच्चाधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में उपस्थित मैदानी अधिकारियों ने बताया कि विद्युत देयक जमा करने हेतु कंपनी द्वारा आरंभ की गई नई-नई सुविधाओं का लाभ ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ता भी सहजता से उठा रहे हैं। अनेक वितरण केन्द्रों में बकाया राशि की वसूली में उत्साहजनक वृद्धि हुई है।

बैठक में उच्चाधिकारी सर्वश्री जी.सी.मुखर्जी, एच.आर. नरवरे, भीमसिंह, कैलाश नारनवरे, एम.एल. मिश्रा, पी.के. अग्रवाल, आर.बी. त्रिपाठी, एस. कुमार, ए.के. अग्रवाल, डी.जी. गोलवलकर, प्रहलाद सिंह, एस.के. ठाकुर, सहित रायपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर, जगदलपुर, राजनांदगांव एवं दुर्ग के फील्ड आफिसर उपस्थित थे।

आधुनिक हिंदी साहित्य के युग प्रवर्तक कवि : सुमित्रानंदन पंत

हिन्दी साहित्य में छायावादी युग के चार स्तंभों में से एक कवि सुमित्रानंदन पंत का जन्म 20 मई, 1900 में कौसानी (उत्तराखंड) में हुआ था। वे ऐसे साहित्यकारों में गिने जाते हैं जिनका प्रकृति चित्रण समकालीन कवियों में सबसे बेहतरीन था। म्योर सेंट्रल कॉलेज में अध्ययन के दौरान वे 1921 में असहयोग आंदोलन में शामिल हो गए। वर्ष 1930 में हुए नमक सत्याग्रह के दौरान वह देश सेवा के प्रति गंभीर हुए। इस दौरान संयोगवश उन्हें कालाकांकर में ग्राम जीवन के अधिक निकट संपर्क में आने का अवसर मिला। अपनी रचनाओं में उन्होंने किसी आध्यात्मिक या दार्शनिक सत्य को स्थान ना देकर व्यापक मानवीय सांस्कृतिक तत्व को अभिव्यक्ति देने की कोशिश की। सुमित्रानंदन पंत आधुनिक हिंदी साहित्य के एक युग प्रवर्तक कवि थे, जिन्होंने भाषा को निखार और संस्कार देने के अलावा उसके प्रभाव को भी सामने लाने का प्रयत्न किया। अपनी रचना बूढ़ा चांद के लिए वे साहित्य अकादमी पुरस्कार, लोकायतन पर सोवियत लेंड नेहरू पुरस्कार और चिदंबरा पर भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ। 28 दिसम्बर, 1977 को इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) में इनका देहान्त हो गया।

विद्युत दरों में लगभग 14.1 प्रतिशत की वृद्धि

घरेलू उपभोक्ताओं की दर अन्य राज्यों से अभी भी कम

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा वर्ष 2015-16 के लिये विद्युत की दरों का पुनरीक्षण किया गया, जो कि 01 जून 2015 से प्रभावशील होगी। विभिन्न उपभोक्ता वर्गों के लिये विद्युत दरों का निर्धारण करते हुये औसत आपूर्ति दर में औसतन 14.10 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी कर रुपए 5.10 प्रति यूनिट निर्धारित की गई है। इस बढ़ोत्तरी के बावजूद छत्तीसगढ़ में घरेलू विद्युत की दरें अन्य राज्यों की अपेक्षा अब भी कम है।

दर वृद्धि के बाद प्रदेश में घरेलू विद्युत बिल का तुलनात्मक विवरण

माहवारी खपत प्रति यूनिट में	वर्ष 2014-15 के अनुसार कुल बिल की राशि (रुपए में)	वर्ष 2015-16 के अनुसार कुल बिल की राशि (रुपए में)	वृद्धि (रुपए में)	वृद्धि (प्रतिशत में)
100	297.2	334	36.8	12.38
200	596.4	674	77.6	13.00
300	1051.4	1159.8	108.4	10.31
500	1961.4	2131.4	170	8.66
1000	4898	5419.6	521.6	10.64

उक्त चार्ट से स्पष्ट है कि 100 यूनिट तक बिजली की खपत करने वाले उपभोक्ताओं को 36/- वहीं 1000 यूनिट तक खपत वाले उपभोक्ताओं को 521/- बिजली बिल में वृद्धि होगी। विद्युत की दर न्यूनतम रखने हेतु राज्य शासन द्वारा वितरण कंपनी को 450 करोड़ की सब्सिडी दी गई फलस्वरूप एवरेज कॉस्ट ऑफ सप्लाई में 24 पैसे की कमी हुई है। प्रदेश के विद्युत की दर की वृद्धि को कम रखने के मामले में यह बताना उचित होगा कि लगभग 2 प्रतिशत की एटीएंडसी लॉस की कमी सहित ताप विद्युत संयंत्रों के पीएलएफ में लगभग 9 प्रतिशत बढ़ोत्तरी भी विद्युत दर को कम रखने में सहायक हुई।

बिजली खरीदी की दर एवं विद्युत पारेषण की दरों में वृद्धि, विद्युत वितरण अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण संबंधी कार्यों पर खर्च, ट्रांसफार्मर मीटर, अन्य विद्युत विषयक उपकरणों-सामग्रियों की कीमत में बढ़ोत्तरी सहित कंपनी के संचालन व्यय आदि के कारण विद्युत दरों का पुनर्निर्धारण आवश्यक था।

नियामक आयोग द्वारा घरेलू विद्युत दरों में औसत 11 प्रतिशत, गैर घरेलू विद्युत दरों में औसत 7 प्रतिशत तथा उच्चदाब उपभोक्ताओं के विद्युत दरों में लगभग 20 प्रतिशत वृद्धि की गई। कृषि पम्प की दरों में लगभग 33 प्रतिशत की वृद्धि की गई। इस वृद्धि के बावजूद कृषि क्षेत्र के अधिकांश उपभोक्ताओं पर दर वृद्धि का बोझ नहीं आयेगा। चूंकि इस वर्ग के 97 प्रतिशत उपभोक्ताओं (3 एचपी पम्प के लिये 6000 यूनिट एवं 5 एचपी पम्प के लिये 7500 यूनिट तक वार्षिक खपत) का खर्च राज्य सरकार वहन करती है। कृषि पम्पों की विद्युत दर में 33 प्रतिशत वृद्धि करना इसलिये आवश्यक हुआ क्योंकि किसी भी वर्ग के उपभोक्ताओं का टैरिफ एवरेज कास्ट आफ सप्लाई का 80 प्रतिशत से कम नहीं होना चाहिये। वृद्धि के बावजूद कृषि उपभोक्ताओं का टैरिफ एवरेज कास्ट आफ सप्लाई का 67 प्रतिशत रखा गया है।

प्रदेश में घरेलू विद्युत की दरें अब भी पंजाब, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश, बिहार, ओडिशा की तुलना में कम है, जो कि निम्न तालिका से स्पष्ट है-

अन्य राज्यों से तुलनात्मक विवरण (ड्यूटी/सेस/वीसीए को छोड़कर)

माहवारी खपत (बिल की राशि रुपए में)

(यूनिट)	पंजाब	कर्नाटक	मध्यप्रदेश	बिहार	ओडिशा	महाराष्ट्र	गुजरात	छत्तीसगढ
100	452	456	413	385	395	376	362.5	306
200	1066	981	1373	750	815	981	787.5	616
300	1680	1606	1923	1185	1335	1586	1270	1056
500	2992	2856	3063	2275	2415	3170	2330	1936
1000	6272	5981	5913	5000	5215	7560	4980	4976

उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने, नई टेक्नालॉजी को अपनाकर उपभोक्ता सेवा में वृद्धि के साथ ही विद्युत कंपनियों के सुचारू संचालन हेतु आर्थिक सुदृढ़ता को बनाए रखने के लिए विद्युत दरों में आंशिक एवं वाजिब वृद्धि अपरिहार्य थी।

400 के.व्ही. रायता-जगदलपुर अति उच्चदाब पारेषण लाईन रायता से गुरूर तक पूर्ण

छत्तीसगढ़ में उपलब्ध बिजली को शहरों के अलावा सुदूर ग्रामीण-वनांचल क्षेत्रों में निर्बाध रूप से पारेषित करने हेतु अति उच्चदाब उपकेंद्रों-लाईनों का तेजी से निर्माण-विस्तार किया जा रहा है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत् पारेषण कंपनी द्वारा रायपुर जिला के ग्राम रायता स्थित 400 के.व्ही. उपकेंद के स्वीचयार्ड से 220/132 के.व्ही. उपकेंद्र गुरूर तक एक और विद्युत पारेषण लाईन का निर्माण पूर्ण कर दिनांक 24 जून 2015 को क्रियाशील किया गया।

उक्त जानकारी देते हुए पारेषण कंपनी के प्रबंध निदेशक, श्री विजय सिंह ने बताया कि 400 के.व्ही. की यह 331 किमी. लम्बी लाईन रायता उपकेंद्र से बस्तर जिले में निर्माणाधीन 400/220 के.व्ही. उपकेंद्र जगदलपुर के स्वीचयार्ड के मध्य बनाई जा रही है। जिसका रायता से गुरूर तक का 125 किमी. लम्बा भाग पूर्ण कर 220 के.व्ही. पर ऊर्जीकृत कर गुरूर उपकेंद्र से संयोजित किया गया है। श्री सिंह ने बताया कि 400 के.व्ही. रायता- जगदलपुर लाईन का गुरूर से जगदलपुर तक का शेष कार्य दिसम्बर 2015 तक पूर्ण कर लिया जायेगा एवं 400 के. व्ही. उपकेंद्र जगदलपुर का निर्माण पूर्ण होने तक इसी लाईन से नगरनार स्टील प्लांट को विद्युत सप्लाई दी जायेगी।

अब 220 के.व्ही. बारसुर एवं गुरूर उपकेंद्र को भिलाई के साथ-साथ 400 के.व्ही. रायता (रायपुर) उपकेंद्र से भी नियमित विद्युत उपलब्ध हो गई है। इससे पहले अति संवेदनशील आदिवासी बस्तर क्षेत्र भिलाई की सप्लाई पर निर्भर था जिसके चलते कई बार लाईन में ओवर लोडिंग की समस्या आ जाती थी लेकिन नई लाईन के ऊर्जीकृत होने से बस्तर क्षेत्र एवं संपूर्ण धमतरी क्षेत्र को बड़ी राहत मिल गई है।

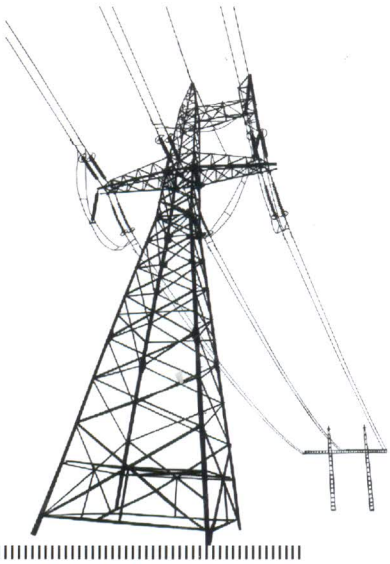

मड़वा परियोजना में पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम

मड़वा तेंदूभाठा ताप विद्युत परियोजना में विश्व पर्यावरण दिवस पर यूएनईपी द्वारा निर्धारित विषयवस्तु sustainable productin and consumption के अनुरूप जागरुकता लाने संबंधी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत जनजागरुकता लाने हेतु आकर्षक पोस्टर, बैनर के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और पेड़ पौधों की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। परियोजना के कार्यपालक निदेशक श्री ए.के. सिंह सहित अति. मुख्य अभियंताद्वय सर्वश्री एस.पी. चेलकर, पी.पी. मोड़क भेल के कंस्ट्रक्शन मैनेजर श्री सोमनाथ घोष, एजीएम श्री पी.के.विश्वास, बीजीआरईएसएल के वाइस प्रेसीडेंट श्री ए.घोष एवं बड़ी संख्या में उपस्थित परियोजना के अधिकारियों-कर्मचारियों ने इस दिवस पर पौधारोपण में अपनी सक्रिय भागीदारी दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में वरिष्ठ रसायनज्ञ सर्वश्री जे.आर. वर्मा, अभय मिश्रा, व्ही.सी.बघेल श्रीमती अर्चना पाण्डे सिविल विंग से कार्यपालन अभियंता श्री तवंरधारी, श्री नागवंशी, श्री यादव तथा पब्लिसिटी असिस्टेंट बसंत कुमार का सराहनीय योगदान रहा।

भूकम्प पीड़ितों को आर्थिक सहयोग

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कंपनी के अति. महाप्रबंधक (मा.सं.) द्वारा जारी परिपत्र क्रमांक 01-05/पीडी-पांच/463 रायपुर, दिनांक 20 मई 2015 के अनुसार नेपाल एवं उत्तर भारत के विभिन्न प्रांतों में आई भूकंप से हुई जानमाल की भारी क्षति को दृष्टिगत रखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनियों में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा अपनी ओर से एक दिन के मूल वेतन के बराबर की राशि का आर्थिक सहयोग प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

सभी विद्युत कंपनियों से प्राप्त उपरोक्त समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों के एक दिन के मूल वेतन के बराबर की राशि होल्डिंग कंपनी द्वारा एकत्रित कर, मुख्यमंत्री राहत कोष नेपाल में जमा की जावेगी। मुख्यमंत्री राहत कोष, नेपाल को दी जाने वाली राशि को आयकर अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार आयकर में छूट संबंधी कार्रवाई भी आयकर की गणना करते समय भुगतान कार्यालयों द्वारा की जावे।

मुख्यमंत्री मजरा-टोला विद्युतीकरण योजना

राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजनान्तर्गत 10वीं, 11वीं एवं 12वीं पंचवर्षीय योजना में राज्य के 100 से अधिक जनसंख्या वाले अविद्युतीकृत ग्रामों एवं मजरा/टोला के विद्युतीकरण कार्यों को सम्मिलित किया गया है। निर्धारित समयसीमा के पश्चात् 11वीं पंचवर्षीय योजना में स्वीकृत कार्यों को यथास्थिति समाप्त कर दिया जायेगा और शेष बचे कार्यों को 12वीं पंचवर्षीय योजना में रखने के निर्देश हैं लेकिन 100 से कम जनसंख्या वाले अविद्युतीकृत ग्रामों, मजरा/टोलों को योजना में सम्मिलित करने का प्रावधान नहीं है। बिजली की मूलभूत सुविधा से वंचित 100 से कम जनसंख्या वाले लगभग 10,000 से अधिक मजरा/टोले जो मुख्यतः आदिवासी बाहुल्य बस्तर, जशपुर, सरगुजा, कोरिया, दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, कांकेर, कोण्डागांव एवं नारायणपुर में स्थित हैं, को बिजली की मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने हेतु मुख्यमंत्री मजरा-टोला विद्युतीकरण योजना लागू करने का निर्णय राज्य शासन द्वारा लिया गया है।

दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (D.D.U.G.J.Y.)

भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के ओ.एम. क्रमांक 44/44/2014-आरई दिनांक 03.12.2014 के द्वारा दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना के अन्तर्गत प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गैर कृषि पम्प उपभोक्ताओं को 24 घंटे अबाधित एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत प्रदाय करने हेतु फीडर पृथक्करण का कार्य, ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित विद्युत भार एवं भविष्य में हो रही भार वृद्धि को देखते हुए वितरण प्रणाली को सुदृढ़ किया जाएगा ताकि वितरण हानि को नियंत्रित रखते हुए उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण, निर्बाध एवं उचित दर पर विद्युत प्रदाय किया जा सके। योजना में अविद्युतीकृत ग्राम/मजरा-टोला के कार्य भी शामिल है।

एकीकृत विद्युत विकास योजना (I.D.P.S.)

भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के ओएम क्रमांक 26/1/2014-एपीडीआरपी दिनांक 03.12.2014 के द्वारा एकीकृत विद्युत विकास योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना के अन्तर्गत वितरण प्रणाली को सुदृढ़ करना, सोलर पैनल की स्थापना, वितरण ट्रांसफार्मर/11 के.व्ही. फीडर / उपभोक्ताओं की मीटरिंग, वितरण सेक्टर में आई.टी. उपयोग को समर्थकारी बनाने के कार्य किये जाने है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विद्युत कर्मियों ने किया योग

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया। भारतीय संस्कृति की अति प्राचीन योग विद्या से जन-जन को जोड़ने हेतु ऑफिसर क्लब, आदर्शिनी महिला मंडल के संयुक्त तत्वाधान में इस दिवस पर योग प्रदर्शन का कार्यक्रम रखा गया। पॉवर कंपनी मुख्यालय के सांस्कृतिक भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थितजनों ने कपालभांती, पवनमुक्तासन, त्रिकोणासन, प्राणायाम, ताड़ासन आदि किया। इस मौके पर ऑफिसर क्लब के सचिव एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. के.एस. छाबड़ा ने योग को उत्तम स्वास्थ की कुंजी बताया। प्रतिदिन योग करने से शारीरिक मानसिक थकान-तनाव-अवसाद से मुक्ति मिलती है। कार्यक्रम में योग को सकारात्मक ऊर्जा का स्त्रोत बताते

हुए सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक (एनटीपीसी) श्री कमलेश शर्मा एवं सेवानिवृत्त कार्यपालन अभियंता श्री के.के.पौरानिक ने योग के विभिन्न आसन एवं उनके लाभ बताये जिसका अनुसरण प्रतिभागियों ने किया।

CHHATTISGARH STATE POWER HOLDING COMPANY LTD.

(A GOVERNMENT OF C.G. UNDERTAKING) (A SUCCESSOR COMPANY OF CSEB) CIN No. U65993CT2008SGC020995

O/o DY. GENERAL MANAGER (HR-S), RAIPUR (C.G.)

ORDER

No. 01-03/HRA/1487 Raipur, Dated : 17 June 2015

Consequent upon inclusion of Amasivni, Zora, Devpuri, Doomartarai, Boriakhurd & Dunda Gram Panchayat in the limits/boundaries of Municipalities/Municipal Corporations, as a part of Raipur Nagar Palika Nigam, it has been decided that the employees posted at Amasivni, Zora, Devpuri, Doomartarai, Boriakhurd & Dunda, shall be allowed to draw HRA @ 20% per month instead of 10% as at present.

The above increase in the rate of H.R.A. shall be effective from the date of issue of this order.

EXECUTIVE DIRECTOR (HR)
CSPHCL : RAIPUR

कोरबा पूर्व में विश्व पर्यावरण दिवस

कोरबा पूर्व ताप विद्युत गृह में ''विश्व पर्यावरण दिवस'' के अवसर ''सात अरब सपने - एक भूमंडल - सावधानीपूर्वक उपयोग थीम पर आधारित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री आर.पी. शिन्दे, क्षेत्रीय अधिकारी, पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण मंडल कोरबा के मुख्य आतिथ्य, मुख्य अभियंता कोरबा पूर्व श्री एम.के. चौधरी की अध्यक्षता तथा श्री एम.आर. बागड़े, मुख्य अभियंता सिविल - उत्पादन रायपुर एवं श्री एस.के. बंजारा मुख्य अभियंता प्रशिक्षण एवं अति.मुख्य अभियंता श्री अनिल व्यास तथा श्री बी.बी. पी. मोदी के गरिमामय उपस्थिति में समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण हेतु शपथ लिया गया तथा संयंत्र परिसर में पौधे रोपित किये। कार्यक्रम के संयोजक डॉ.जी.पी. दुबे ने पर्यावरण थीम पर प्रकाश डालते हुये अतिथियों को स्वागत उद्‌बोधन दिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि शिंदे ने कहा कि औद्योगीकरण के दौर में प्रदूषण समाप्त करना काफी कठिन है किन्तु सबकी सहभागिता एवं सामूहिक प्रयास से पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण जरूर संभव है और इसके लिये सबको सार्थक पहल करनी चाहिये।

पर्यावरण संरक्षण दिवस के अवसर पर सीनियर क्लब कोरबा पूर्व में परिचर्चा, प्रश्नोत्तरी एवं फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन प्रेरणा महिला मंडल के पदाधिकारी श्रीमती निवेदिता बंजारा, श्रीमती हेमलता चौधरी एवं श्रीमती साधना दुबे के गरिमामय आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता में केजी ग्रुप में सुभांगी साहू, रिमझिम धुरन्धर, काव्यांश सिदार एवं अदिति तथा प्राथमिक समूह में भावना चन्द्रवंशी एवं सात्विक ठक्कर को पुरस्कृत किया गया। गृहणियों के लिए पर्यावरण संरक्षण पर आयोजित परिचर्चा में श्रीमती कविता ठक्कर, डॉ.श्रीमती आर. जगन्नाथन, श्रीमती भावना धुर्वे एवं श्रीमती रीना धुरन्धर को पुरस्कृत किया गया। इस प्रतियोगिता को श्रीमती नीलम शर्मा, रश्मि साहू, रीना सिंगरोल, राजेश्वरी नायक, प्रतिक्षावाणी, मलिता मिंज ने संचालित किया।

पर्यावरण संरक्षण दिवस पर श्री शैलेन्द्र शुक्ला रसायनज्ञ के द्वारा पर्यावरण संरक्षण थीम पर पावर पाइंट के माध्यम से व्याख्यान दिया गया। साथ ही श्री नितिन श्रीवास्तव एवं उनके साथियों के द्वारा पर्यावरण संरक्षण विषय पर रोचक नाट्य की प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम का संचालन श्री एस.पी. बारले वरि. कल्याण अधिकारी तथा श्री एस.के.नायक एवं आभार प्रदर्शन एवं संयोजन डॉ.एन.के. पाण्डेय मुख्य रसायनज्ञ द्वारा किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम ए.के. करनाल, मुख्य रसायनज्ञ, गोवर्धन सिदार, एस.पी. द्विवेदी, वरि. उद्यान अधिकारी एवं एम.ए. अंसारी के द्वारा सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में के.डी. दीवान, रश्मी साहू, शैलेन्द्र शुक्ला, के.के. त्रिपाठी एवं सनत कुमार सिदार का सहयोग सराहनीय रहा।

राजनांदगांव में विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण

विश्व पर्यावरण दिवस पर क्षेत्रीय प्रशासनिक भवन राजनांदगांव के प्रांगण में मुख्य अभियंता श्री प्रहलाद सिंह के नेतृत्व में वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों को श्री सिंह ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन के अभिन्न अंग है, अतः पौधा रोप कर अपने कर्तव्य की इतिश्री न करें बल्कि उसकी सुरक्षा एवं संवर्धन की भी जिम्मेदारी भी उठाएं। अब गांव एवं शहर कांक्रीट के जंगल में तब्दील होते जा रहे हैं। इससे बिगड़ते पर्यावरण के कारण अतिवृष्टि, सूखा आदि प्राकृतिक आपदायें आ रही हैं और जनजीवन अस्त व्यस्त हो रहा है। इसे नियंत्रित करने का सरल उपाय वृक्षारोपण ही है।

इस आयोजन में मुख्य अभियंता श्री सिंह सहित श्री बी.पी. गुप्ता, श्रीमती मधुमति नागवंशी, श्री एल.के. मेश्राम, श्री हरीश जांगड़े, श्री दिनेश ठाकुर और श्री अशोक पिल्लई ने कार्यालय प्रांगण में अशोक एवं अमलतास के पौधे लगाए।

पं. माधवराव सप्रे - हिन्दी के पहले कहानीकार

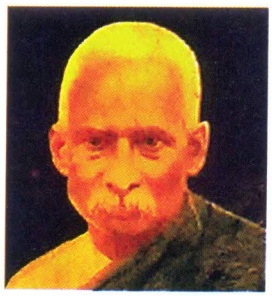

पंडित माधवराव सप्रे राष्ट्रभाषा हिन्दी के उन्नायक, प्रखर चिन्तक, मनीषी संपादक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और सार्वजनिक कार्यों के लिये समर्पित कार्यकर्ताओं की शृंखला तैयार करने वाले प्रेरक मार्गदर्शक थे। माधवराव सप्रे की कहानी 'एक टोकरी भर मिट्टी'' को हिंदी की पहली कहानी होने का श्रेय प्राप्त है।

हिन्दी के पहले कहानीकार पंडित माधवराव सप्रे जी का जन्म 19 जून 1971 में मध्यप्रदेश के दमोह जिले के पथरिया ग्राम में हुआ था। बिलासपुर में मिडिल तक की पढ़ाई के बाद मैट्रिक शासकीय विद्यालय रायपुर से उर्त्तीण किया। 1899 में कलकत्ता विश्वविद्यालय से बीए करने के बाद उन्हें तहसीलदार के रूप में शासकीय नौकरी मिली लेकिन जैसा कि उस समय के देशभक्त युवाओं में एक परंपरा थी, सप्रे ने भी शासकीय नौकरी की परवाह न की। सन् 1900 में जब समूचे छत्तीसगढ़ में प्रिंटिग प्रेस नहीं था तब इन्होंने बिलासपुर के एक छोटे से गांव पेन्ड्रा से छत्तीसगढ़ मित्र नामक मासिक पत्रिका निकाली।

राजा राममोहन राय ने आधुनिक भारतीय समाज के निर्माण में जो चिंगारी जगाई थी उसके वाहक के रूप में छत्तीसगढ़ में वैचारिक सामाजिक क्रांति के अलख जगाने का काम किसी ने पूरी प्रतिबद्धता से किया है तो निर्विवाद रूप से यह कहा जायेगा कि वह छत्तीसगढ़ के प्रथम पत्रकार पंडित माधवराव सप्रे ही थे। माधवराव सप्रे जी का निधन 23 अप्रैल 1926 को हुआ।

अंबिकापुर में अग्नि दुर्घटना पर नियंत्रण

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी अंबिकापुर के नमनाकला स्थित प्रशासनिक कार्यालय के कर्मचारियों एवं अधिकारियों की सूझ-बूझ से बड़ा हादसा टल गया। नमनाकला 33/11 विद्युत उपकेन्द्र में लाइन में लगे करेंट ट्रांसफार्मर के फूटने से आग लग गई। नीचे बिखरे हुए तेल के कारण आग चारों तरफ फैलने लगी। मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता और क्षेत्रीय लेखाधिकारी कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने तत्परता से घटनास्थल पर पहुंचकर अग्निशमन यंत्र एवं रेत द्वारा आग बुझाया। फायर बिग्रेड का अमला भी घटना स्थल पर पहुंच गया परंतु विद्युतकर्मियों ने आपसी सहयोग से पहले ही आग बुझा लिया एवं करोड़ों की संपत्ति का बचाव कंपनी के हित में किया गया। मुख्य अभियंता श्री एस.के. ठाकुर एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आर.के. मिंज ने आग बुझाने में लगे अधिकारियों/कर्मचारियों की सराहना कर शाबासी दी। साथ ही इस तरह की दुर्घटना भविष्य में दोबारा ना हो इसके लिए अग्निशमन यंत्रों की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

अंबिकापुर क्षेत्र में बिजली चोरी रोकने सफल जांच अभियान

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में बिजली चोरी रोकने के लिए लगातार विशेष अभियान चलाकर छापामार कार्रवाई की जा रही है। इस विशेष अभियान के तहत अंबिकापुर क्षेत्र में एक लाख 42 हजार यूनिट से अधिक की बिजली चोरी पकड़ी गई है। अवैध हुकिंग कर बिजली चोरी करने वालों दर्जनों लोगों पर 10 लाख 89 हजार रुपए से अधिक का जुर्माना लगाया गया है। चोरी के अलावा अनियमितता के प्रकरण में भी अन्य लोगों से चार लाख 50 हजार रुपए का जुर्माना किया गया। अति.मुख्य अभियंता श्री आर.के. मिंज एवं कार्यपालन अभियंता श्री एम.आर. कैवर्त्य ने विद्युत चोरी रोकने हेतु जारी अभियान के अंतर्गत विद्युत कनेक्शन जांच के दौरान उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुये विद्युत देयक का नियत समय पर भुगतान करने तथा वैधानिक कनेक्शन लेकर विद्युत का उपयोग करे। श्री एस.पी. कुमार, ईई विजलेंस अंबिकापुर ने बताया कि बिजली चोरी करते हुए पकड़े जाने पर एक वर्ष में जितनी यूनिट बिजली का उपभोग किया गया है उस पर जुर्माना लगाया जाता है और उसके बाद स्पेशल कोर्ट में मामला दर्ज किया जाता है। विद्युत विभाग के टीम द्वारा बिजली चोरी में प्रयुक्त सामानों को जब्त कर लिया गया है एवं बिजली चोरी करते पाए गए लोगों से जुर्माना वसूल करने की कार्रवाई विभाग द्वारा शुरु कर दी गई है। बिजली चोरी पकड़ने के लिए विद्युत विभाग के तेजराम कोसरिया एई, आर.पी. सिंह जेई सरगंवा और रघुवंश साहू जेई (ओ एंड एम) के टीम ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

बच्चों के सम्मान को ठेस न पहुंचाएं

यह जो पीढ़ी इस समय हमारे आंगन में पल रही है, अपने सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण समय से गुजर रही है। बच्चे और उनके मां-बाप दोनों ही इस समय तनाव में हैं। बड़े लोगों और बच्चों में विवेक का फर्क होता है। आकांक्षाएं दोनों की होती हैं। लोभ, क्रोध दोनों ही उम्र में रहते हैं, लेकिन बड़े लोग विवेक का प्रयोग करके विपरीत परिस्थिति से बच सकते हैं। बच्चों को इसी तरह की परेशानियों से बचाने के लिए भी स्थिति में बच्चे के सम्मान को ठेस न पहुंचाएं, क्योंकि विवेकहीन या कम विवेक वाला व्यक्ति भी सम्मान उतना ही चाहता है, जितना विवेकशील व्यक्ति चाहता है। देखा जाता है कि बच्चों पर चिढ़कर सबके सामने उन्हें डांट दिया जाता है। बाल-मन कई बार अपमान की इन घटनाओं को अपने भीतर दर्ज कर लेता है और फिर वह अपमान आक्रोश बनकर कभी भी फूट सकता है। माता-पिता का धैर्य बच्चों का सम्मान बन जाएगा और माता-पिता की अधीरता बच्चों का अपमान बन जाती है। आपके द्वारा दिया गया सम्मान उनके लिए भविष्य में ऊर्जा, उत्साह और सही दिशा का कारण बन सकता है।

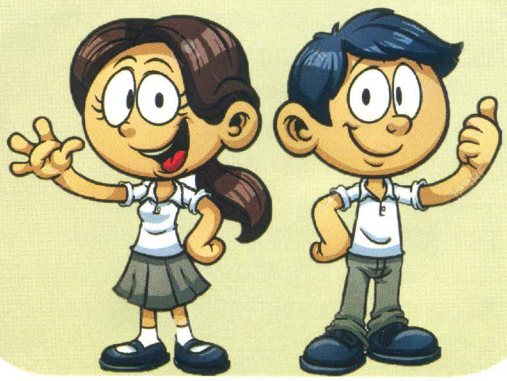

जगदलपुर क्षेत्र के मरईगुड़ा ग्राम में पहुंची बिजली

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा प्रदेश के सुदूर ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों में विद्युत सुविधा उपलब्ध कराने संबंधी कार्य युद्धस्तर पर पूरे किये जा रहे है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए आंध्रप्रदेश की सीमा से सटे छत्तीसगढ़ के ग्राम मरईगुड़ा क्षेत्र में 30 मई को 11 केव्ही की सप्लाई मीटरिंग लगाकर चालू की गई। उक्त 11 केव्ही सप्लाई तेलंगाना 11 केव्ही लक्ष्मीपुर फीडर से जोड़ी गई है जो कि तेलंगाना वितरण कंपनी के 33/11 केव्ही उपकेन्द्र नल्लीपाखा से निकलती है। इसके द्वारा मरईगुड़ा क्षेत्र के लगभग 206 उपभोक्ताओं को स्वतंत्रता के 67 वर्ष उपरान्त विद्युत सुविधा उपलब्ध हो सकी।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (संचा/संधा) श्री एचआर नरवरे, जगदलपुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री आर.बी.त्रिपाठी, अधीक्षण अभियंताद्वय श्री यू.आर.मिर्चे, आर.के.मिश्रा एवं तेलंगाना वितरण कंपनी के भद्राचलन के कार्यपालन अभियंता श्री रेड्डी एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। स्वतंत्रता के 67 वर्ष उपरान्त अर्जित इस उपलब्धि पर कोंटा के नगर पंचायत अध्यक्ष, जनपद पंचायत के सदस्य, मरईगुड़ा के सरपंच श्री अपका मारा तथा बड़ीसंख्या में उपस्थित गणमान्य नागरिकों ने प्रसन्नता व्यक्त की। उक्त विद्युतीकरण योजना पर 1.76 करोड़

की लागत आई जिसके लिए डिपॉजिट योजना के अन्तर्गत जिला प्रशासन सुकमा द्वारा राषि आबंटित की गई। इसका लाभ 13 बीपीएल, 184 डीएलएफ एवं 09 सरकारी कार्यालयों के कनेक्शनों को प्राप्त होने लगा। इस क्षेत्र के अन्य सरकारी कार्यालयों द्वारा कनेक्शन लेने की विधिवत कार्यवाही प्रक्रिया में है।

मड़वा परियोजना हेतु कोयले की पहली रैक 17 जून को पहुंची

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी की मड़वा तेंदूभाठा ताप विद्युत परियोजना के संयंत्र से विद्युत उत्पादन करने हेतु आवश्यक कोयले की पहली रैक 17 जून को पहुंची। कोयले से लदी मालगाड़ी को परियोजना के ट्रैक हॉपर पर पाकर परियोजना के अधिकारीं-कर्मचारी खुशी से झूम उठे। इस मौके पर कार्यपालक निदेशक श्री ए.के.सिंह ने रेल्वे के पायलट, को-पायलट और क्रू मेम्बर को श्रीफल देकर स्वागत

किया। कोयले की आपूर्ति होने से अब इकाई को कमर्शियल आपरेशन डिक्लेरेशन (सी.ओ.डी.) के लिए आगे बढ़ाया जायेगा। कोल रैक को परियोजना तक पहुंचाने और रेल्वे की सेफ्टी नार्म्स को पूरा करने में सिविल विंग का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस मौके पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री पी.पी.मोड़क, एस.पी. चेलकर, ए.के. जैन एवं श्री आर.पी.निगम, श्री लहरी सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी एवं श्रमिकजन उपस्थित थे।

नगर संभाग में विदाई-स्वागत समारोह

नगर संभाग पश्चिम रायपुर के कार्यपालन अभियंता श्री व्ही.ए.देशमुख के स्थानांतरण पर नगर संभाग पश्चिम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा 17 जून 2015 को उन्हें भावभीनी बिदाई दी गई। साथ ही, यहां नवपदस्थ कार्यपालन अभियंता श्री ए.के.गौरहा का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अधीक्षण अभियंता (नगर वृत एक) श्री पी.के.खरे ने श्री देशमुख के कार्यकाल को सफल कार्यकाल निरूपित कर उन्हें बधाई दी। इसी क्रम में उन्होंने

श्री गौरहा के कार्यकाल में भी नगर संभाग पश्चिम की प्रगति की कामना करते हुये शुभकामनाएं व्यक्त की गई। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि श्री गौरहा के नेतृत्व में नगर संभाग पश्चिम के अधिकारी-कर्मचारी पूर्ववत बेहतरीन कार्यशैली का प्रदर्शन कर उपलब्धियों के नये आयाम स्थापित करेंगे। कार्यक्रम का संचालन श्री सुनील गनौदवाले, राजस्व लेखापाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता श्री आर.के.बंछोर सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कोरबा पूर्व में आतंकवाद विरोधी दिवस पर कर्मियों ने ली शपथ

आतंकवाद विरोधी दिवस 21 मई 2015 को कोरबा पूर्व ताप विद्युत गृह में मुख्य अभियंता श्री एम.के. चौधरी की उपस्थिति में समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अहिंसा एवं सहनशीलता की परम्परा में दृढ़ विश्वास रखते हुए आतंकवाद एवं हिंसा का विरोध करने तथा मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सद्भाव कायम करते हुए विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की शपथ ली। कार्यक्रम में अति. मुख्य अभियंता श्री आर.एस. ठाकुर, वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ डॉ.जी.पी. दुबे, अधीक्षण अभियंता ए.के. सत्संगी, ए.एन. बहल इत्यादि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एस.पी. बारले वरिष्ठ कल्याण अधिकारी द्वारा किया गया।

मड़वा ताप विद्युत परियोजना में आतंकवाद विरोधी दिवस

मड़वा-तेंदूभाठा ताप विद्युत परियोजना जांजगीर में 21 मई को अधिकारी और कर्मचारियों ने आतंक व हिंसा को खत्म करने का संकल्प लिया। अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री पी.पी. मोड़क ने सभी को शपथ दिलवाई। समारोह में बड़ी संख्या में उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों ने मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव और सूझबूझ कायम करने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली व विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की भी शपथ ली।

मड़वा-तेंदूभाठा ताप विद्युत परियोजना में संरक्षा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

मड़वा-तेंदूभाठा ताप विद्युत परियोजना जांजगीर में 26 मई 2015 को संरक्षा पर आयोजित आठ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह सहायक संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य व संरक्षा श्री आशुतोष पांडे, कार्यपालक निदेशक श्री ए.के. सिंह और अतिरिक्त मुख्य अभियंता (उत्पादन) श्री पी.पी. मोड़क के आतिथ्य में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में 330 अधिकारी-कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों को अग्नि से सुरक्षा, संचालन एवं संधारण में सुरक्षा और परियोजना के संचालन व संधारण संबंधी जानकारियां दी गईं। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री सिंह ने कहा कि संरक्षा को नजरअंदाज कभी न करें। इसके प्रति सजग रहते हुए सदैव संरक्षा के नियम को जीवन में अपनाएं। हर व्यक्ति सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेगा तो इसका व्यापक परिणाम अवश्य परिलक्षित होगा। संरक्षा के लिए अपने सहयोगी व दूसरों को भी प्रेरित करें।

श्री पांडे ने कहा कि संरक्षा संस्कृति अपने औद्योगिक परिसर में विकसित करें। अधिकांश दुर्घटना संरक्षा नियमों की अज्ञानता के कारण होती है। हर्ष का विषय है कि संरक्षा के नियमों की उम्दा जानकारी मड़वा-तेंदूभाठा ताप विद्युत परियोजना में उत्पादन शुरू होने के पूर्व ही अधिकारियों-कर्मचारियों को दी जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता (उत्पादन) श्री मोड़क ने कहा कि शून्य दुर्घटना का लक्ष्य अर्जित करने संरक्षा के नियमों का सदैव पालन करें। संरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम में (निर्माण, संचालन और संधारण में संरक्षा) फिल्म का प्रदर्शन, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा निर्देशित सुरक्षा प्रशिक्षण मॉड्यूल के तहत जानकारी प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रतिभागियों को दिया गया। संरक्षा फिल्मों में थ्री इडियट, निर्माण में संरक्षा, भोपाल गैस त्रासदी एवं एलएंडटी द्वारा निर्मित फिल्म प्रतिभागियों को दिखाई गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन संरक्षा अधिकारी श्री एन.डी. गोरी ने किया। समापन समारोह में आभार प्रदर्शन मुख्य संरक्षा अधिकारी व कार्यपालन अभियंता श्री रामप्रसाद राजपूत ने किया।

अवकाश स्वीकृति प्रावधान का पालन

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कंपनी के कार्यपालक निदेशक (मा.सं.) द्वारा जारी परिपत्र क्रमांक 01-05/पीडी-दो/481 रायपुर दिनांक 23.05.15 के अनुसार म.प्र. सिविल सेवाएं (अवकाश) नियम 1977 जिसे पूर्ववर्ती विद्युत मंडल तथा तत्पश्चात पावर कंपनी द्वारा ग्राह्य किया गया है, के अध्याय 3 नियम 13 के अनुसार अवकाश अथवा अवकाश वृद्धि हेतु आवेदन पत्र, अवकाश स्वीकृत वाले सक्षम प्राधिकारी को प्रस्तुत करना अनिवार्य है। किसी भी तरह का अवकाश, आवेदन के आधार पर ही स्वीकृत किया जा सकता है।

आवेदक से अवकाश आवेदन प्राप्त हुए बिना, अवकाश स्वीकृतकर्ता अधिकारी द्वारा अवकाश स्वीकृत किया जाना सिविल सेंवाएं (अवकाश) नियम 1977 के प्रावधानों के विरुद्ध है।

अतः अवकाश स्वीकृतकर्ता अधिकारी उपरोक्त नियम का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करे।

पॉवर कंपनी के सहायक प्रबंधक श्री पी.के. बहिरट की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कंपनी के मानव संसाधन विभाग में सहायक प्रबंधक के पद पर कार्यरत श्री पी.के. बहिरट को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर भावभीनी बिदाई दी गई। प्रशासनिक भवन के सभाकक्ष में आयोजित विदाई समारोह में कार्यपालक निदेशक श्री शारदा सिंह ने शुभकामनाएं देते हुए पॉवर कंपनी की ओर से प्रतीकात्मक भेंट एवं प्रशस्ति पत्र श्री बहिरट को प्रदान किया। इस अवसर पर अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री अजय श्रीवास्तव, उपमहाप्रबंधक(एक) श्री डी.डी. पात्रीकर ने मानव संसाधन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों की ओर से सुखमय जीवन की कामना करते हुए स्मृति चिन्ह भेंट किया। विदाई समारोह में श्री बहिरट ने अपने 38 वर्षीय कार्यकाल के दौरान विद्युतकर्मियों से मिले सहयोग के प्रति आभार जताते इसे अपनी सफलता का श्रेय बताया। समारोह में उपस्थित उच्चाधिकारी सर्वश्री के.एस. तिवारी, प्रकाश भट्ट, एस.के. तिवारी, जितेन्द्र मेहता, टी. रामप्रसाद राव, आर.एन. दत्ता, डॉ. अल्पना शरत तिवारी सहित उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री विजय मिश्रा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अपनी मंगल कामनाओं को अभिव्यक्त किया।

हम प्रत्येक वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस मनाते हैं लेकिन यह भूल जाते हैं कि हमारी जिंदगी का अधिकांश वक्त दो स्थानों में अधिक व्यतीत होता है। इनमें से एक है घर तथा दूसरा है कार्यस्थल। इन दोनों स्थानों के परिवेश को सेहत के अनुकूल रखना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

- पॉलीथिन का उपयोग ना करें
- घरों व गार्डन पर पौधे लगाएं
- पॉल्यूशन रहित वाहनों का उपयोग करें
- पेपर बैग इस्तेमाल करें
- लोगों को जागरुक करें

शिवाजी को बुढ़िया ने बताया सफलता का सूत्र

उन दिनों छत्रपति शिवाजी मुगलों के विरुद्ध छापामार युद्ध लड़ रहे थे। एक रात वह थके-मांदे एक बुढ़िया की झोपड़ी में जा पहुंचे। पहुंचते ही उन्होंने बुढ़िया से कुछ खाने के लिए मांगा। बुढ़िया के घर में उस समय थोड़े से चावल बचे हुए थे। उसने फौरन शिवाजी के लिए भात पकाया और परोस दिया। शिवाजी को बहुत तेज भूख लगी हुई थी। झट से भात खाने की आतुरता में उनकी उंगलियां जल गईं। हाथ की जलन शांत करने के लिए वह फूंक मारने लगे। उन्हें ऐसा करता देख बुढ़िया ने उनके चेहरे की ओर गौर से देखा और बोली "सिपाही तेरी सूरत शिवाजी जैसी लगती है साथ ही लगता है कि तू उसी की तरह मूर्ख भी है।" यह सुनकर शिवाजी स्तब्ध रह गये। उन्होंने बुढ़िया से पूछा- आप जरा शिवाजी की मूर्खता के साथ ही मेरी भी कोई मूर्खता बताएं। बुढ़िया ने उत्तर दिया- "तूने किनारे-किनारे से थोड़ा-थोड़ा ठंडा भात खाने की बजाय बीच के गरम भात में हाथ डाला और अपनी उंगलियां जला ली। ठीक वही मूर्खता शिवाजी करता है।"

कोरबा पश्चिम में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

हसदेव ताप विद्युत गृह, कोरबा पश्चिम में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में ''तीन दिवसीय पर्यावरण संरक्षण अभियान'' का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह कार्यपालक निदेशक श्री ओ.सी.कपिला के मुख्य आतिथ्य, अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री एन.के.बिजोरा, एस.एम.गोवर्द्धन के विशिष्ट आतिथ्य एवं वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री सेलट की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

पर्यावरण दिवस के अवसर पर श्री कपिला ने सर्वप्रथम वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति सभी को सजग रहने का संदेश दिया। उन्होंने यू.एन.ई.पी. द्वारा घोषित नारा ''Seven billion dreams, One planet. Consume with care'' पर प्रकाश डालते हुये कहा कि हमें पृथ्वी के घटकों को सावधानीपूर्वक उपयोग करना चाहिए। मनुष्य को अपनी सुविधाभोगी सोच से बाहर निकलकर कम से कम ऊर्जा की खपत करनी चाहिए। श्री बिजोरा ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि हमें छोटे-छोटे कार्यों के लिए साइकिल का प्रयोग ज्यादा से ज्यादा करना चाहिए, साथ ही उन्होंने जागरूकता रैली में शामिल लोगों को बधाई देते हुए पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। इसी कड़ी में श्री गोवर्द्धन जी ने भी पर्यावरण संरक्षण के सुझाव दिये। उन्होंने विशेषकर ''आन लाईन'' सुविधाओं का प्रयोग करने को कहा ताकि कागज एवं ईंधन की खपत कम हो सके। श्री सेलट ने पृथ्वी के सभी घटकों- जल, वायु, ऊर्जा के संबंध में जानकारी प्रदान की और उनका उपयुक्त मात्रा में उपयोग करने की सलाह दी। कार्यक्रम में अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता ग्रुप एक में भव्य बरदिया, गुंजन मार्कण्डेय, विनायक पटेल, ग्रुप दो में आशा लता राज, शख्या कुण्ऊ, मोक्षा पेंकरा, ग्रुप तीन में भावना पटेल, लेखांश फूटान एवं ग्रुप चार में अनिमेष जैन, वेंकटेश तिवारी, आराध्य झगले प्रथम रहे। नारा प्रतियोगिता में अधिकारी वर्ग में सर्वश्री सी.एस. गुर्जर, टी.के हाजरा, श्रवण चोरनेले, कर्मचारी वर्ग में सर्वश्री कमलेश सिंह, पी.एल. पाण्डेय, आर.के. उज्जैनी प्रथम रहे। भाषण प्रतियोगिता में अधिकारी वर्ग सर्वश्री अशोक श्रीवास्तव, चंद्रशेखर गुर्जर, टी.के. हाजरा कर्मचारी वर्ग में सर्वश्री पी.एल. पाण्डेय, कमलेश सिंह एवं ठेका श्रमिक वर्ग में प्रथम स्थान श्री कार्तिक दास महंत रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ रसायनज्ञ श्रीमती मालती जोशी एवं आभार प्रदर्शन मुख्य रसायनज्ञ डॉ. राजेश तिवारी द्वारा किया गया।

जगदलपुर में लाईन कर्मचारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

जगदलपुर क्षेत्र में कार्यरत सी एण्ड डी श्रेणी के लाईन कर्मचारियों हेतु 24 से 27 जून तक वेरियण्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रशिक्षण केन्द्र में किया गया। प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुये जगदलपुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री आर.बी. त्रिपाठी ने कार्यकुशलता में वृद्धि की दृष्टि से प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान को अमल में लाने जोर दिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों हेतु 33/11 केव्ही उपकेन्द्र जगदलपुर का शैक्षणिक भ्रमण का कार्यक्रम भी रखा गया। इस दौरान उन्हें प्रशिक्षण सामग्री टूल किट, प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। चार दिवसीय प्रशिक्षण में अधीक्षण अभियंता सर्वश्री पी.के.शुक्ला, एम.के.सिन्हा, यू.आर.मिर्चे, कार्यपालन अभियंता सर्वश्री ए.के.ठाकुर, टी.के. ठाकुर, आर.के. असाटी, कल्याण अधिकारी डी.के. डुम्भरे, सहायक अभियंता सर्वश्री पी.एन.शर्मा, बी.एल.देवांगन, व्ही.के.टंडन ने व्याख्यान दिये।

चिंतन

जल सदुपयोग का संकल्प ले...

विभिन्न समाचार पत्र-पत्रिकाओं, इलेक्ट्रानिक मीडिया तथा अन्य अनेक माध्यमों से हमें घटते जलस्तर और बढ़ते जल संकट की जानकारी सचित्र मिलती है। बीते दिनों दैनिक भास्कर में प्रकाशित चित्र में सिर पर गगरी धरे, बस्तर की महिलाओं की लंबी कतार दिखाई दी। ये महिलाएं तीन-चार किलोमीटर दूर से जंगल की झीरियों से घण्टों बूंद-बूंद पानी को एकत्र कर घर लाती हैं। इसके विपरीत हम में से अधिकांश लोग अपने घर को तो पानी से तर-बतर करते ही हैं साथ ही घर के सामने के सड़क की धुलाई भी करने में आगे रहते हैं। सैकड़ों, हजारों लीटर जल व्यर्थ बहा देते हैं। ऐसा कृत्य करते समय हम भूल जाते हैं कि हमारी प्यास बुझाते-बुझाते अब धीरे-धीरे धरा भी जल-विहीन होती जा रही है। इस तथ्य की ओर संकल्प के पाठकों का ध्यान केंद्रित करते हुये पानी का सदुपयोग करने हेतु संकल्प लेने का निवेदन करती हूं। एक लघु शुरूआत जो गुरूतर परिणाम देगी, वह प्रकृति-संस्कृति के संरक्षण में अनमोल सिद्ध होगी। अपने मकान में वॉटर हार्वेस्टिंग कर, आईये धरती का थोड़ा कर्ज उतारने एक सार्थक कदम उठायें।

ईरा पंत
सहायक प्रबंधक, पारेषण कंपनी, रायपुर

परिचयावली

कार्यपालक निदेशक श्री अशोक कुमार सिंह

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर जनरेशन कंपनी के मड़वा-तेदूभाठा ताप विद्युत परियोजना में कार्यपालक निदेशक के पद पर सेवारत श्री अशोक कुमार सिंह का जन्म 01 नवम्बर 1955 को अलीगढ़ (उ.प्र.) में हुआ। अपनी माता श्रीमती रूमाली सिंह एवं पिता स्व. श्री लक्ष्मण सिंह के आदर्शों से जीवन में अनवरत आगे बढ़ने की प्रेरणा आपको विरासत में मिली। सुसंस्कार संग सुशिक्षित बनने की यात्रा पथ पर आगे बढ़ते हुये आपने वर्ष 1971 में टीकमगढ़ मध्यप्रदेश से हायर सेकण्डरी तथा वर्ष 1977 में बी.ई. (इलेक्ट्रिकल) की उपाधि एस.जी.एस.आई.टी.एस इंदौर से अर्जित कर अपनी कुशाग्र बुद्धि का परिचय दिया। आपने इनर्जी आडिटर की शिक्षा भी ली है। अध्ययन की पूर्णता के उपरांत वर्ष 1978 में सहायक अभियंता (प्रशिक्षु) के रूप में मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल जबलपुर से आपने अपनी सेवायात्रा की शुरूआत की। आगे वर्ष 1979 में सहायक अभियंता के नियमित पद पर कोरबा पूर्व में आपकी पदस्थापना हुई। आगे वर्ष 1993 में कार्यपालन अभियंता एवं वर्ष 2006 में आपको अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई । इन पदों पर आपने कोरबा पश्चिम एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह कोरबा पूर्व में अपनी सेवायें दी। सेवायात्रा में आगे बढ़ते हुये विद्युत संयंत्रों से संबंधित जिम्मेदारियों-कर्त्तव्यों का दक्षतापूर्वक कुशल संचालन को आपने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई।

आपकी कार्यकुशलताओं का मूल्यांकन करते हुये कंपनी द्वारा वर्ष 2009 में आपको अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति दी गई एवं आपकी पदस्थापना नवनिर्मित मड़वा-तेदूभाठा ताप विद्युत परियोजना में की गई। यहां सेवारत रहते हुये आगे मार्च 2014 में आपको मुख्य अभियंता तथा अगस्त 2014 में कार्यपालक निदेशक के शीर्ष पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। यहां पदस्थ रहते हुये आपने मड़वा-तेदूभाठा ताप विद्युत परियोजना के कार्यों को गति प्रदान किया एवं परियोजना की क्रियाशीलता में अपनी महती भूमिका निभाई। इस तरह अपनी 37 वर्षीय सेवायात्रा के दौरान आपने प्रदेश में संचालित पुराने विद्युत गृहों के अलावा डी.एस.पी.एम. एवं मड़वा परियोजना में तकनीकी तथा प्रशासनिक कार्यों का कुशलतापूर्वक निष्पादन किया। आपने पीजीटीआई जबलपुर में प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है। टीम वर्क सहित विपरित परिस्थितियों में भी संयंम-धैर्य को बनाये हुये आत्मविश्वास के साथ कार्य करने को आप अपनी सफलता का मूलमंत्र मानते हैं। आपकी विशेष अभिरूचि संगीत एवं तकनीकी कार्यों में है।

क्यों आता है भूकंप?

धरती मुख्य तौर पर चार परतों से बनी हुई है, इनर कोर, आउटर कोर, मैनटल और क्रस्ट। क्रस्ट और ऊपरी मैन्टल को लिथोस्फेयर कहते हैं। ये 50 किलोमीटर की मोटी परत, वर्गों में बंटी हुई है, जिन्हें टेक्टॉनिक प्लेट्स कहा जाता है। ये टेक्टॉनिक प्लेट्स अपनी जगह से हिलती रहती है लेकिन जब ये बहुत ज्यादा हिल जाती हैं, तो भूकंप आ जाता है। ये प्लेट्स क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर, दोनों ही तरह से अपनी जगह से हिल सकती हैं। इसके बाद वे अपनी जगह तलाशती हैं और ऐसे में एक प्लेट दूसरी के नीचे आ जाती है। दरअसल ये प्लेटें बेहद धीरे-धीरे घूमती रहती हैं। इस प्रकार ये हर साल 4-5 मिमी अपने स्थान से खिसक जाती हैं। कोई प्लेट दूसरी प्लेट के निकट जाती है तो कोई दूर-दूर हो जाती है। ऐसे में कभी-कभी ये टकरा भी जाती हैं।

भूकंप का केन्द्र वह स्थान होता है जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती है, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किलोमीटर के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा।

भूकंप के खतरे के हिसाब से भारत को चार जोन में विभाजित किया गया है। जोन दो-दक्षिण भारतीय क्षेत्र जो सबसे कम खतरे वाले हैं। जोन तीन-मध्य भारत, जोन चार-दिल्ली समेत उत्तर भारत का तराई क्षेत्र, जोन पांच- हिमालय क्षेत्र और पूर्वोत्तर क्षेत्र तथा कच्छ। जोन पांच सबसे ज्यादा खतरे वाले हैं।

भूकंप की जांच रिक्टर स्केल से होती है। भूकंप के दौरान धरती के भीतर से जो ऊर्जा निकलती है, उसकी तीव्रता को इससे मापा जाता है। इसी तीव्रता से भूकंप के झटके की भयावहता का अंदाजा होता है। रिक्टर स्केल पर 5 से कम तीव्रता वाले भंकपों को हल्का माना जाता है। साल में करीब 6 हजार ऐसे भंकप आते हैं। जबकि 2 या इससे कम तीव्रता वाले भंकपों को रिकॉर्ड करना भी मुश्किल होता है तथा उनके झटके महसूस भी नहीं किए जाते हैं। ऐसे भूकंप साल में 8 हजार से भी ज्यादा आते हैं।

आदर्शिनी महिला मण्डल द्वारा नेपाल भूकम्प पीड़ितों के लिए 20 हजार रुपए की सहायता

आदर्शिनी महिला मण्डल, छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कपंनी द्वारा सामाजिक एवं कल्याणकारी गतिविधियों में अपनी सक्रिय भागीदारी दी जाती है। इसी क्रम में नेपाल भूकम्प पीड़ितों की सहायतार्थ 20 हजार रुपए का चेक मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए महिला मण्डल ने प्रदान किया। इस अवसर पर महिला मण्डल की अध्यक्षा श्रीमती किरण सिंह, सचिव श्रीमती दीपा चौधरी, कोषाध्यक्ष श्रीमती बीना नन्दा व श्रीमती कुमकुम ने निःशक्त एवं असहायजनों की सहायता करने का संकल्प लिया। सहायता राशि देने के उपरांत महिला मण्डल की अध्यक्षा श्रीमती किरण सिंह सहित सभी सदस्यों ने भूकम्प पीड़ितों की सलामती सहित घायलजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की।

4 जून विश्व रक्तदान दिवस पर खास

हर हिन्दुस्तानी बने रक्तदानी

पूरे विश्व में भारतवासियों की पहचान दानशीलता जैसे महान गुण के कारण भी हैं। दान वह पुनीत कर्तव्य है जिसमें दान देने और लेने वाले को आत्मिक सुख और संतोष की प्राप्ति होती है। दान के अनेक रूप है, उसमें रक्तदान को महादान की संज्ञा दी गई है। रक्तदान, नेत्रदान, देहदान को भारत देश की प्राचीन परम्परा बताते हुए स्वामी चिदानंद सरस्वती का कहना है कि "कण-कण में ईश्वर है तो वह किसी के दिल में भी होगा, उसे ही परमात्मा समझ सेवा करनी होगी। सदियों की इबादत से बेहतर है वो एक लम्हा जिसे बिताया गया है किसी इंसान की खिदमत में।"

हर्ष-गौरव की बात है कि उक्त परम्परा को आगे बढ़ाते हुए छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के अनेक अधिकारियों-कर्मचारियों ने दानशीलता को अनेक अवसर पर अनेक रूपों में प्रदर्शित किया है। ऐसे ही अनूठे लोगों में शामिल है, सचिवालय (मानव संसाधन) में प्रबंधक के पद पर सेवारत श्री जितेन्द्र मेहता। वे अब तक अनेक बार रक्तदान कर चुके हैं। रक्तदान करने की शुरूआत के संबंध में उन्होंने बताया कि रक्तदान करने की प्रेरणा श्री कर्नल चौधरी से मिली तथा वर्ष 1991 में पहली बार रक्तदान किया। पहली बार रक्तदान करते समय रोमांचक अनुभव रहा। उस समय मन में अनेक सवाल उठ रहे थे, पर रक्तदान के उपरान्त प्रत्यक्ष रूप से यह ज्ञान हुआ कि रक्तदान एक सामान्य प्रक्रिया है। रक्तदाता को दर्द-पीड़ा दिये बिना यह बड़ी सहजता से संपन्न हो जाता है। रक्तदान के उपरान्त किसी भी प्रकार की शारीरिक कमजोरी नहीं आती। अपने जीवन के 55वें पड़ाव पर खड़े श्री मेहता ने रक्तदान की यात्रा में मिले एक अनुभव के बारे में बताया। पहली बार रक्तदान एक अपरिचित सैनिक के लिए किया जो कि रामपुर जबलपुर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। चिकित्सा लाभ लेने के उपरान्त स्वस्थ होने पर वह सैनिक मुझे ढूंढता हुआ घर आया और ऐसे मिला जैसे मैं उसका पिता हूं। उस पल का अनुभव मुझे आज भी रक्तदान करने के लिए सदैव प्रेरित करता है। रक्तदान जहां जीवन बचाता है, वहीं नये प्रगाढ़ रिश्ते बनाता है। रक्तदान करते समय इस बात का भी बोध होता है कि खून का कोई धर्म नहीं होता। यह गुण सर्वधर्म समभाव सहित मानवता की भावना को न केवल जगाता है बल्कि बढ़ाता भी है।

आगे श्री मेहता ने एक मजेदार जानकारी दी कि रक्तदान किसी भी प्रकार के नुकसान के बजाय रक्तदाता के लिए बहुपयोगी और अत्यंत लाभदायी होता है। पहली बात तो ब्लड बैंक/चिकित्सालय में रक्तदाता को रक्तदान देने के एवज में कोई फीस, (रूपया-पैसा) देने की आवश्यकता नहीं होती है। दूसरी बात दानदाता द्वारा दिये गये रक्त का सूक्ष्म परीक्षण किया जाता है जिसके अंतर्गत रक्त समूह, हीमोग्लोबिन, एचआईवी, मलेरिया, हेपेटाइटिस बी, आदि की जांच की जाती है अर्थात् यह सारी जांच रक्तदाता के लिए निःशुल्क हो जाती है और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी व्याधि की जानकारी रक्तदाता को मिल जाती है। अगर यही जांच अलग से करवाई जाये तो फीस के रूप में एक बड़ी राशि देनी पड़ती है। इन सभी तथ्यों को देखते हुए यही कहना उचित होगा कि जब भी जीवन में अवसर आये हरेक व्यक्ति को रक्तदान देने के लिए निःसंकोच आगे आना चाहिए।

छत्तीसगढ़ के मिल्खा सिंह

मैराथन धावक सरजू प्रसाद साहू

दिल में जब जीत का जज्बा हो तो उन्हें मंजिल पाने से कोई रोक नहीं सकता। उक्त तथ्य को सही साबित करने वाले और कोई नहीं बल्कि हमारे अपने विद्युत परिवार के सदस्य हैं श्री सरजू प्रसाद साहू जी। इन्होंने 74 वर्ष की उम्र में भी (अपने आयु ग्रुप) 10 व 20 किलोमीटर की मैराथन दौड़ में विजय प्राप्त की। आपने बोर्ड में 1973 से अपनी सेवायात्रा की शुरुआत की तथा 23 वर्ष की सेवा उपरान्त 1996 में बलौदाबाजार वितरण केन्द्र (भाटापारा डिवीजन) से सेवानिवृत्त हुए। लगन व जुनून के पर्याय श्री सरजू प्रसाद साहू जी बचपन से ही विभिन्न खेलों खो-खो, ऊंची कूद, कबड्डी, दौड़ आदि में भाग लेते हुए कई बार पुरस्कृत हुए। शाकाहारी सरजू प्रसाद जी खेलों के माध्यम से न केवल शरीर व स्वास्थ्य के प्रति सजग रहे बल्कि आप धार्मिक विचारों से भी ओत-प्रोत हैं। आप रामायण के टीकाकार हैं। इसी क्रम में यह बताना लाजिमी होगा कि आपने देश के लगभग सभी 32 आदिशक्ति पीठों, चारों धाम, सप्तपुरियों, बारह ज्योतिर्लिंगों के दर्शन के पश्चात् नेपाल के रास्ते हिमालय की यात्रा भी किया। फरवरी 2014 में आमाकोनी में संपन्न मैराथन दौड़ के जीतने पर आप मुख्यमंत्री श्री रमन सिंह व सांसद श्री रमेश बैस के हाथों पुरस्कृत हुए। आपके जज्बे को विद्युत परिवार का सलाम व ढेरों बधाईयां...

दुर्ग-मड़वा विद्युत परियोजना पृथक खेल क्षेत्र

केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कंपनी द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार वर्ष 2015-16 से मड़वा ताप विद्युत परियोजना एवं दुर्ग क्षेत्र को स्वतंत्र खेल क्षेत्र घोषित किया गया है। साथ ही कंपनीज में खेल-कला गतिविधियों के सुचारू संचालन हेतु गठित केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद में कार्यपालन अभियंता (वाणिज्य) श्री एस.के. शर्मा, सचिव (क्रीड़ा), उपमहाप्रबंधक (मा.सं.) वितरण कंपनी श्री आर.ए.पाठक सचिव (कार्यालय), कार्यपालन अभियंता पी.आर.जी. श्री सुभाष शर्मा सचिव (कला), एवं उपमहाप्रबंधक (वित्त) उत्पादन कंपनी श्री अजय शर्मा सचिव (वित्त) नियुक्त किये गये हैं। इसी तरह श्री जी.के.गंगवानी टेबल-टेनिस, श्री आर.के. विश्वकर्मा लान टेनिस, श्री वाई.एस. राव बालीबाल, श्री एस.एन. नायडू क्रिकेट, श्री राजेश कुमार फुटबाल, श्री अल्बर्ट कुजूर हॉकी, श्री एन.के. सिंह कैरम, श्री राजीव झा बैडमिंटन, श्री एम.एल.पाल सांस्कृतिक कार्यक्रम, श्री एन.के. दीवान कबड्डी, श्री आर.के. दुरूरगर, पावर लिफ्टिंग, श्री योगेश नैयर नाटक, श्री अरूण देवांगन शतरंज, श्री हरीश चौहान ब्रिज, श्रीमती ईरा पंत महिला खेल प्रभारी बनाये गये हैं।

डीएसपीएम विद्युत गृह ने दी औद्योगिक दुर्घटना मुक्त दिवस की मिसाल

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी द्वारा अपने विद्युत संयंत्रों सहित अधिकारियों-कर्मचारियों की संरक्षा को लेकर सदैव जागरुकता बरती जाती है। इसे डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह कोरबा पूर्व ने सार्थक कर एक नई मिसाल को प्रदर्शित किया। संयंत्र के कार्यपालक निदेशक ने इस बाबत संयंत्र कर्मियों को बधाई दी। साथ ही संरक्षा के प्रति सतर्कता एवं जागरुकता की इस भावना को सतत बनाये रखने का संदेश दिया। इस संयंत्र ने अधिकारियों-कर्मचारियों में संरक्षा के सतर्कता, जागरुकता एवं नियमों के परिपालन के चलते लगातार दो वर्ष तक दुर्घटना मुक्त बने रहने का अनूठा कीर्तिमान बनाया। 30 अप्रैल 2013 से मजदूर दिवस 01 मई 2015 तक अर्थात लगातार 730 दिवस तक यह रिकार्ड दर्ज किया गया। विदित हो कि यह संयंत्र आईएसओ 9001, आईएसओ 14001 के साथ ही ओएचएसएएस 18001 (सुरक्षा एवं स्वास्थ्य प्रबंधन हेतु) से भी प्रमाणीकृत/अंलकृत है, जिसकी वजह से सभी स्तरों पर सुरक्षा के प्रति जागरुकता एवं दायित्व का भाव बढ़ा है, साथ ही श्रमिक संघों का भी पूरा सहयोग प्राप्त हो रहा है। इन सबके सामूहिक प्रयासों से ही संयंत्र लगातार पिछले दो वर्षों से औद्योगिक दुर्घटना मुक्त रहा है।

कोरबा पूर्व के श्री महंत कुमार शर्मा सम्मानित

छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग अऊ लोक सुराज अभियान जिला सम्मेलन कोरबा में श्री महंत कुमार शर्मा, वरिष्ठ सुरक्षा सैनिक छ.रा.वि.उ.कं.म. कोरबा पूर्व को छत्तीसगढ़ी कविता प्रस्तुति के लिए प्रशस्ति पत्र एवं राजभाषा आयोग का बैच प्रदान कर छ.ग.राजभाषा आयोग के सचिव डॉ. सुरेन्द्र दुबे के द्वारा सम्मानित किया गया। कंपनी परिवार की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी के कार्यालय कार्यपालन अभियंता नगर संभाग (दक्षिण) में कार्यरत श्रीमती हरजीत कौर खालसा पति हरविंदर सिंग खालसा की सुपुत्री सौ.कां. गगनप्रीत कौर खालसा का शुभ विवाह रायपुर निवासी श्री मोहन सिंग टुटेजा के सुपुत्र चि. गुरप्रीत सिंग टुटेजा के संग 21 अप्रैल 2015 को रायपुर में सानंद संपन्न हुआ। बधाई...

ताकि हरी-भरी रहे धरा...

हमारी धरती पर पिछले कुछ सालों में भूकंप, बाढ़, सुनामी जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। प्रकृति की इन आपदाओं में जान-माल का खूब नुकसान होता है। दरअसल, हमारी धरती के ईको-सिस्टम में आए बदलावों और तेजी से बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग के कारण ही ये सब हो रहा है। वैज्ञानिकों ने इन आपदाओं के लिए हमारे प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध इस्तेमाल को जिम्मेदार ठहराया है। उनकी मानें तो आज हमारी धरती अपने भार से कहीं अधिक भार वहन कर रही है। अगर यही हाल रहा तो 2030 तक हमें बने रहने के लिए दूसरे प्लेनेट की जरूरत होगी।

5 जून, 1973 को पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया, जिसमें हुए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में पर्यावरण संरक्षण के मुद्दों पर विचार किया गया। 1974 के बाद से विश्व पर्यावरण दिवस का सम्मेलन अलग-अलग देशों में आयोजित किया जाने लगा। 5 जून को पूरी दुनिया में पर्यावरण से जुड़ी अनेक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। पर्यावरण संरक्षण के उपायों को लागू करने के लिए हर उम्र के लोगों को प्रोत्साहित किया जाता है। पेड़-पौधे लगाना, साफ-सफाई अभियान, रीसाइक्लिंग, सौर ऊर्जा, बायो मास, बायो खाद, सीएनजी वाले वाहनों का इस्तेमाल, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग जैसी तकनीक अपनाने पर बल दिया जाता है। सड़क, रैलियों, नुक्कड़, नाटकों या बैनरों से ही नहीं, एसएमएस, फेसबुक, ट्विटर, ईमेल के जरिये लोगों को जागरुक किया जाता है। इस साल संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) और संयुक्त राष्ट्र महासभा के सहयोग से इटली में एक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है जिसमें विभिन्न देशों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। 'सेवल बिलियन ड्रीम्स। वन प्लेनेट। कंज्यूम विद केयर' इस साल का थीम है। दुनिया भर के लोगों को प्राकृतिक संसाधनों के रखरखाव और इस्तेमाल की दर को कंट्रोल करने के लिए जागरुक किया जाएगा ताकि वे स्वस्थ पर्यावरण के साथ पृथ्वी के विकास के सपने को साकार कर सकें।

ये करना है

अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखो। सड़क पर कूड़ा मत फेंको और न ही कूड़े में आग लगाओ। कूड़ा रीसाइक्लिंग के लिए भेजो। आज बड़े-बड़े प्लांट्स कूड़े से बिजली और फर्टिलाइजर बना रहे हैं। प्लास्टिक, पेपर, ई-कचरे के लिए बने अलग-अलग कूड़ेदान में कूड़ा डालो ताकि वह आसानी से रीसाइकिल के लिए जा सके। निजी वाहनों के बजाय कार पूलिंग, गाड़ियों, बस या ट्रेन का उपयोग करें। कम दूरी के लिए साइकिल चलाना पर्यावरण और सेहत के लिहाज से बेहतर है। पानी बचाने के लिए घर में लो-फ्लशिंग सिस्टम लगवाएं, जिससे शौचालय में पानी कम खर्च हो। शॉवर से नहाने के बजाए बाल्टी से नहाए। ब्रश करते समय पानी का नल बंद रखे। हाथ धोने में भी पानी धीरे चलाएं। नल में कोई भी लीकेज हो तो उसे प्लंबर से तुरंत ठीक करवाएं, ताकि पानी टपकने से बरबाद न हो। नदी, तालाब जल स्त्रोतों के पास कूड़ा न डालें। यह कूड़ा नदी में जाकर पानी को गंदा करता है। घर की छत पर या बाहर आंगन में टब रखकर बारिश का पानी जमा कर उसे फिल्टर करके इस्तेमाल कर सकते हैं।

जानकार कहते हैं कि प्रदूषण का स्तर काफी तेजी से बढ़ रहा है। सबसे अधिक प्रदूषण हवा में है। सड़क पर उड़ती धूल, उद्योग, वाहनों का धुंआ इतना अधिक है कि अब सुबह के समय ताजी हवा में भी प्रदूषण पाया गया है। यहां बड़ी संख्या में निकलने वाले कूड़े को रिसाइकिल करना भी काफी मुश्किल भरा काम है। इसके अलावा ध्वनि और जल प्रदूषण भी चरम पर है। यहां की बदतर आबो हवा के कारण ही दिल्ली को 2014 के एशियन गेम्स के होस्ट बनने की दौड़ से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया था।

इन्हें बनाएं आदत

पढ़ने की टेबल खिड़की के सामने रखें ताकि दिन में नेचुरल लाईट से पढ़ सकें। जब भी कमरे से बाहर जाएं तो पंखा और लाइट बंद करें। ब्रश करते समय, खाना खाने के बाद या वॉश बेसिन सिंक का नल बिना काम के खुला मत छोड़ कर रखें। अपने दोस्तों को पेपर वाले बधाई कार्ड की जगह ईमेल कार्ड भेजें। बाजार जाते समय अपने साथ कपड़े की थैली अपने साथ जरूर ले जाएं जिससे प्लास्टिक बैग की खपत पर रोक लगेगी। पौधे लगाएं क्योंकि ये पौधे ही हमारे पर्यावरण को बचा सकते हैं। हिमालय में बसे क्षेत्रों में निकल रहीं गंदगी को रीसाइकल करने वहां के छात्र सामने आए हैं। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के 9 स्कूलों के बच्चों ने मिलकर यह ठाना है कि वे इस गंदगी का प्रयोग कर विभिन्न तरह के मॉडल बनाएंगे। यह पूरा प्रयास ग्रीन हिल्स अल्मोड़ा नामक संगठन ने आरंभ किया।

।। कुर्यात सदा मंगलम् ।।

हिमांशु संग रानू

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी के कार्यालय कार्यपालन यंत्री (संचारण व संधारण) संभाग भिलाई में कार्यरत श्री अश्वनी कुमार गंजीर, कार्यालय सहायक श्रेणी-एक के सुपुत्र चि. हिमांशु का शुभ विवाह दुर्गुकोंदल निवासी श्री जागेश्वर साहू की सुपुत्री सौ.कां. रानू के साथ दिनांक 28 अप्रैल 2015 को हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। बधाई...

अनामिका संग ब्रिजेश

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में प्रकाशन सहायक के पद पर पदस्थ सौ.का. अनामिका सुपुत्री श्री शिव नेताम का शुभ विवाह चि. ब्रिजेश सुपुत्र श्री बृजलाल मंडावी के साथ दिनांक 30 अप्रैल 2015 को कांकेर में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। बधाई...

मयंक संग किरन

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी के कार्यालय कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) में उपमहाप्रबंधक के पद पर पदस्थ श्री राम अवतार पाठक के सुपुत्र चि. मयंक का शुभ विवाह पोरसा, मुरैना निवासी महेश कुमार मिश्रा की सुपुत्री सौ.कां. किरण के संग 27 मई 2015 को ग्वालियर में सोल्लास संपन्न हुआ। बधाई...

ऋषि संग रति

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी के कार्यालय कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) में कार्यरत श्री सतीष चन्द्र पिठवे के सुपुत्र चि. ऋषि का शुभ विवाह दुर्ग निवासी श्रीमती कमला एवं स्व. श्री राजकुमार विश्वकर्मा की सुपुत्री सौ.कां. रति के संग 3 जून 2015 को रायपुर में सानंद संपन्न हुआ। बधाई...

अनिरुद्ध संग दीपशिखा

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के मुख्य अभियंता (सिविल) रायपुर श्री दीपक कुमार भालेराव की सुपुत्री सौ.कां. दीपशिखा का शुभविवाह नागपुर निवासी श्री अविनाश सराफ के सुपुत्र चि. अनिरूद्ध के संग 15 मई 2015 को रायपुर में सोल्लास संपन्न हुआ। बधाई...

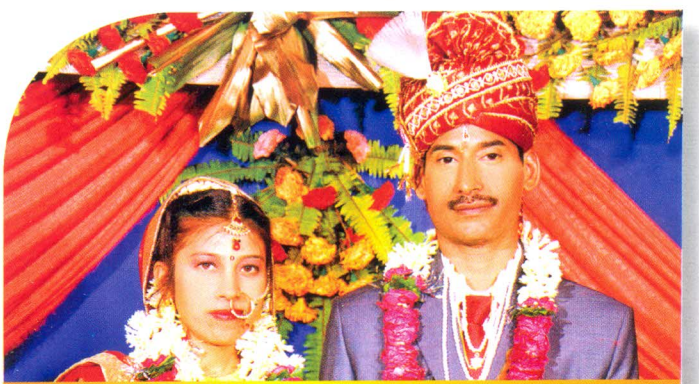

आनंद संग दीपिका

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण कंपनी के कार्यालय महाप्रबंधक (वित्त) में सहायक प्रबंधक के पद पर पदस्थ श्री ओ.पी.शर्मा की सुपुत्री सौ.कां. दीपिका का शुभविवाह रायपुर निवासी स्व.रामनिहाल शुक्ला के सुपुत्र चि. आनंद के संग 29 मई 2015 को रायपुर में सोल्लास संपन्न हुआ। बधाई...

प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के मेक, मुद्रण / प्रकाशन आदि गुणवत्ता एवं पत्रिका के अंदर के पृष्ठों में 90 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) और कवर पृष्ठों में 220 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) का उपयोग किया गया है. - मुद्रक

मयंक ऑफसेट प्रिंटर्स कंकालीपारा, रायपुर • 98271-76089, 97527-11101

अजन्मी कन्या

मां तुम्हारे कोख में आते ही
होने लगी है तैयारी, मिटाने को हस्ती मेरी।
जाती हो तुम लिंग निर्धारण परीक्षण को,
हत्यारे चिकित्सक अपनी मानवता की सेवा में,
देते है रिपोर्ट गर्भ में, लड़की होने की।
कर दी जाती है हत्या मेरी, जन्म लेने से पहले ही,
आप पिताजी, सभी घरवाले, करवाते हैं हत्या।
भगवान भेज देता है दोबारा गर्भ में आपके,
होती है हत्या एक बार, दो बार, तीन बार, बार-बार।
मैं करती हूं प्रश्न विधाता से,
क्यों जन्म लेने से पहले, करवाते हो हत्या मेरी,
मां-बाप से क्यों हो गये हो निर्दयी,
भगवान होकर भी।
अब तो पूरी कर दो मुराद मेरे मां-बाप की,
भेज दो भाई मेरा।
जब वैज्ञानिक कर देते है लिंग परिवर्तन विज्ञान से,
तुम भगवान होकर कर दो मेरा लिंग परिवर्तन,
क्यों करवाते हो हत्या मेरी बार-बार।
भगवान ने भी रोकर कहा- मैं मजबूर हूं,
मैं बनाना चाहता हूं प्राकृतिक संतुलन,
नर-नारी हो बराबर, इस धरा पर।
परंतु मानव नहीं चाहता, प्राकृतिक संतुलन,
वह ही समझने लगा है, भगवान अपने आपको,
करवाता है हत्या देवी की, कन्या की,
नहीं होने दूंगा इस धरा को
नारीविहीन, दयाविहीन, शक्तिविहीन।
मैं भेजता रहूंगा कन्या संतुलन बनाने को,
जितनी होगी हत्या कन्याओं की,
मैं भेजूंगा कन्या बार-बार।

Daughter is not a
TENSION
Daughter is equal to
TEN-SONS

शैलेन्द्र तवरधारी
कार्यपालन अभियंता (सिविल)
मड़वा तेंदूभाठा विद्युत परियोजना, जांजगीर
मो.नं. 09893384675

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कंपनी मर्या. इंजीनिया, रायपुर, फोन : 0771-2574702, फैक्स : 0771-2574702, website - www.cseb.gov.in